हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र | www.suryabulletin.com | suryabulletin@gmail.com

सूर्या बुलेटिन

सच जो दिल दहला दे...

वर्ष : 1 अंक : 33 गाजियाबाद, बुधवार, 19 से 25 जून-2024 Tital Code : UPHIN40005 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रुपये

बढ़ रहा है पेयजल संकट
सरकारी सिस्टम लापरवाह

- दक्षिण अफ्रिका का केप टाउन जल विहीन घोषित हो चुका है
- भारत में राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश और दक्षिण के कई राज्य जल संकट से जूझ रहे
- समुद्र के पानी को पीने योग्य बनाने के लिए भारत समेत कई देशों में लगे हैं संयंत्र

सूर्या बुलेटिन

- भूजल दोहन रोकने और वाटर हार्वेस्टिंग के लिए कोई ठोस योजना तक नहीं
- 10 साल बाद एनसीआर में मच सकता है पेयजल के लिए हाहाकार

गाजियाबाद। इस साल पड़ रही गर्मी दशकों के रिकॉर्ड तोड़ रही है। दिल्ली-एनसीआर में तापमान 48 के आंकड़े को पार कर चुका है। सड़क चलते लोग हीट वेव, हीट स्ट्रोक और डिहाईड्रेशन का शिकार हो रहे हैं। गाजियाबाद में ही पिछले एक सप्ताह में गर्मी के कारण 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। गर्मी प्रचंड है और इस प्रचंड गर्मी में पानी की बात न हो तो यह बेमानी होगा। अपने देश के साथ ही दुनिया के कई इलाकों में पेयजल का भयानक संकट पैदा हो गया है। भारत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और दक्षिण के कई राज्य पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। दिल्ली में पिछले कई साल से लोग जल संकट का सामना कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के भी कई इलाकों में पेयजल संकट मंडरा रहा है। दुनिया की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन को दुनिया का पहला जलविहीन शहर घोषित किया जा चुका है।

कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि 2025 तक दुनिया के करीब 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अब यह संकट हमारे सामने है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ जिलों में पेयजल का सदा संकट रहता है। शिमला और तमिलनाडु के चेन्नई और दक्षिण पूर्व में स्थित रामनाथपुरम जिला भूजल स्रोतों की किल्लत के कारण चर्चा में रहता है। मगर बीते साल से यहां बीस हजार लीटर पेयजल प्रतिदिन संशोधित किया जा रहा है। इसके लिए ह्यसोलर थर्मल आस्मोसिस वाटर डिस्टलाइजेशन सिस्टम एफओह्ल की स्थापना की गई है। इस तकनीक को आइआइटी मद्रास और इंपीरियल के जीडीएमजी ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।

वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर सरकारें गंभीर नहीं

देश में जल संकट दिनों दिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसे गंभीर स्थिति में पहुंचने से रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ स्थानीय निकाय और प्रशासन भी गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। सबमर्सिबल पंपों के जरिए रोजाना करोड़ों लीटर भूजल का रोजाना दोहन किया जा रहा है। गंभीर बात यह है कि लाखों लीटर भूजल का दोहन केवल पीने के लिए नहीं हो रहा है बल्कि अन्य व्यर्थ कार्यों के लिए भी भूजल का ही प्रयोग किया जा रहा है। जबकि खेतों को भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। शहरों की हालत बेहद खराब हो रही है। कई शहरों में भूजल का स्तर 300 फुट से भी नीचे पहुंच चुका है। यह हाल दोआब वाले इलाकों में भी है। इसके बावजूद वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर सरकारी तंत्र से लेकर आम आदमी तक गंभीर नहीं है। लाखों लीटर पानी नालियों में बह जाता है। सरकारी इमारतों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तो लगे हैं, लेकिन खराब हैं। नई बसी कॉलोनियों, बहुमंजिला इमारतों में भी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम चालू हालत में नहीं है। देश, दुनिया में जो हालात बन रहे हैं उन्हें देखते हुए पानी की एक-एक बूंद बचाने की जरूरत है और भूजल दोहन पर पूरी तरह से पाबंदी लगाए जाने की जरूरत है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने खारे पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक विकसित की

इस तकनीक को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने भी सहायता प्रदान की है। भारत के वैज्ञानिकों ने समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने की स्वदेशी तकनीक विकसित कर ली है। इस संयंत्र को लक्षद्वीप में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है। संयंत्र की क्षमता हर दिन एक लाख लीटर पीने योग्य पानी बनाने की है। देश के तटीय इलाकों के साथ-साथ समुद्र के किनारे स्थित क्षेत्रों में पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन यह पीने योग्य नहीं है, क्योंकि समुद्र का पानी अक्सर खारा और अन्य खनिजों से भरपूर होता है। हमारे समाने चुनौती यह है कि इस खारे पानी को बड़े पैमाने पर पीने योग्य कैसे बनाएं। इजराइल दुनिया के उन देशों में से एक है, जिन्होंने समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने में महारत हासिल की है।

महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में पानी की बड़ी समस्या

मानव जनित जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व के लगभग सभी बड़े शहरों में जलापूर्ति के प्राकृतिक स्रोत, जैसे नदियां, झीलें, झरने, तालाब आदि प्रभावित हुए हैं और सभी को शुद्ध पेयजल पहुंचाना एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसे में कई देश समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने पर काम कर रहे हैं। वैसे तो पानी का संकट महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में सदैव रहता है। पर तमिलनाडु के चेन्नई में समस्या इतनी विकट हो चुकी है कि समुद्र का पानी ह्यडिसेलिनेशनह्ल कर पेयजल के रूप में लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। वहां के समुद्र तट पर दो विलवणीकरण यानी डिसेलिनेशन संयंत्र काम कर रहे हैं और दोनों की क्षमता 100 एमएलडी है। ऐसे दो और संयंत्रों (150 एमएलडी और 400 एमएलडी क्षमता वाले) पर काम चल रहा है, जो अगले तीन वर्षों में 550 एमएलडी समुद्री पानी का डिसेलिनेशन करने में सक्षम होंगे।

इन संयंत्रों में दो तरह की तकनीकों का प्रयोग होता है- पारंपरिक वैक्यूम डिस्टिलेशन और रिवर्स आस्मोसिस। चेन्नई के दोनों संयंत्र आरओ तकनीक पर काम कर रहे हैं। इस प्रकार के संयंत्रों से समुद्री पानी को स्वच्छ बनाने की प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत होती है। वैक्यूम डिस्टिलेशन तकनीक में एक घनमीटर समुद्री जल को शुद्ध करने के लिए तीन किलोवाट ऊर्जा की खपत प्रति घंटे होती है तो आरओ तकनीक में यह खपत दो किलोवाट होती है। इन विधियों से खारे पानी को मीठे पानी में बदलने के लिए एक तो काफी मात्रा में ऊर्जा खर्च होती है। बावजूद इसके पानी में से नमक की मात्रा पूरी तरह निकल नहीं पाती। इस अतिरिक्त नमक को हटाने के लिए दोबारा वही प्रक्रिया दोहरानी पड़ती है। इस कारण समय और ऊर्जा दोनों ही अधिक खर्च होते हैं। आरओ पानी को शुद्ध करने वाली एक ऐसी तकनीक है, जिसमें दबाव डालकर पानी साफ किया जाता है। इस तकनीक का इस्तेमाल उन इलाकों में किया जाता है जहां पानी में टीडीएस 500 मिग्रा प्रति लीटर से अधिक होता है, यानी पानी खारा होता है। नलकूप के पानी या समुद्र तटीय इलाकों में यह तकनीक उपयोगी है। आरओ के पानी में कोई भी अशुद्धि नहीं होती। बैक्टीरिया और विषाणु भी दूर हो जाते हैं क्लोरीन और आर्सेनिक जैसी अशुद्धियां भी दूर हो जाती हैं। इस प्रक्रिया में बिजली की खपत अधिक होती है। यह नल के पानी के सामान्य से अधिक दबाव में काम करता है। आरओ से बाहर निकलने वाले पानी के रूप में औसतन 30-40 फीसद पानी बर्बाद होता है। इस खर्च को कम करने के लिए राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिक संस्थान ने डिसेलिनेशन प्रक्रिया के लिए कम तापमान वाली थर्मल विलवणीकरण किया है। इस प्रक्रिया के तहत दो अलग-अलग जल स्रोतों के बीच तापमान के उतार-चढ़ाव से पहले गर्म पानी को कम दाब पर वाष्पीकृत किया जाता है, ताकि मीठा पानी प्राप्त किया जा सके।

एलटीटीडी तकनीक को लक्षद्वीप के लिए उपयुक्त पाया गया है

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमआइएस) के राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइओटी) की मदद से आइआइटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने समुद्र के पानी को पीने योग्य पानी में बदलने के साधन खोजने के लिए शोध किए हैं, जो पीने, खाना पकाने और अन्य व्यक्तिगत उपयोग के लिए उपयुक्त हो सकता है। समुद्र के खारे पानी को एलटीटीडी तकनीक के जरिए पीने लायक बनाया जाता है। इस तकनीक में प्राकृतिक तरीके से समुद्र के पानी को गर्म कर खारेपन को अलग किया जाता है।

यह ऐसी प्रक्रिया है, जो खारे पानी से खनिज घटकों को हटा देती है। एलटीटीडी तकनीक को लक्षद्वीप के लिए उपयुक्त पाया गया है, जहां समुद्र की सतह के पानी और गहरे समुद्र के पानी के बीच लगभग पंद्रह डिग्री सेल्सियस का जरूरी तापमान का अंतर है। जो लक्षद्वीप के तटों के आसपास के इलाकों में पाया जाता है। इजराइल ने यह तकनीक भारत को दी थी। सन 2018 में जब इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भारत यात्रा पर आए थे, उन्होंने गुजरात में मोबाइल वाटर डिसेलिनेशन जीप उपहार के तौर पर भारत को दिया था। यह जीप खारे पानी को मीठा बनाती है। एक दिन में यह मोबाइल संयंत्र (जीप) बीस हजार लीटर समुद्र के खारे पानी को साफ कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक इसमें अस्सी हजार लीटर से ज्यादा काले, मटमैले और गंदे पानी को पीने लायक बनाने की क्षमता है।

दुनिया में जल संकट बड़ी चुनौती, बन रहा तनाव की वजह

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत देश में कुछ एलटीटीडी की स्थापना की है, जो कवारल्ली, मिलीकाय, अगत्ती, लक्षद्वीप में स्थापित हैं। इनकी प्रौद्योगिकी पूरी तरह से घरेलू और पर्यावरण के अनुकूल है।

प्रत्येक एलटीटीडी संयंत्र की क्षमता प्रतिदिन एक लाख लीटर समुद्री जल शुद्ध करने की है। इस तकनीक के द्वारा खारे पानी से एक लीटर मीठा पानी बनाने में उन्नीस पैसे का खर्च आता है। दक्षिण अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इजराइल, सऊदी अरब, यूएई जैसे देश अपनी कुल पानी की मांग का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री जल का डिसेलिनेशन करके पूरा करते हैं। फिलहाल दुनिया भर में इसके लगभग पंद्रह हजार संयंत्र काम कर रहे हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में इसके लिए 320 किमी लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। भारत के अंडमान, गुजरात, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और आंध्र प्रदेश में छोटे-बड़े लगभग 175 संयंत्र चल रहे हैं। भारत में पहला संयंत्र अंडमान में लगाया गया था। मगर इन उपलब्धियों के बावजूद यह सवाल अपनी जगह है कि आखिर हम अपने उपलब्ध जल-संसाधन को संरक्षित रखने और उसके संतुलित उपभोग के बारे में कब गंभीर होंगे।

> कई शहरों में भूजल का स्तर 300 फुट से भी नीचे पहुंच चुका है। यह हाल दोआब वाले इलाकों में भी है।

भाजपा ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ किया राज्यव्यापी प्रदर्शन

बेंगलुरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ सोमवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन किया। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ईंधन पर 'बिक्री कर' बढ़ा दिया, जिससे पेट्रोल और डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी हो जाएगी। बिक्री कर बढ़ाने से राज्य में पेट्रोल की कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। भाजपा द्वारा हर जिलों के पार्टी कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया।

बेंगलुरु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के जनविरोधी रुख के खिलाफ किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल और डीजल के बढ़े दामों का असर राज्य के हर क्षेत्र पर सीधे पड़ेगा। प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि पांच गारंटियों के कारण राज्य सरकार पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है। इसके कारण बहुत सारे विकास कार्य रुक गए हैं। विजयेंद्र ने कहा कि सरकार को यह एहसास हुआ कि गारंटी रोकने से जनता में आक्रोश पैदा होगा। इन गारंटियों को जारी रखने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं थे, इसलिए उसने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दीं

कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाएं इस प्रकार हैं - सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक सहायता (गृह लक्ष्मी), बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को अतिरिक्त पांच किलो चावल के बदले नकद भुगतान (अन्न भाग्य), बेरोजगार स्नातक युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपये (युवा निधि), और सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा (शक्ति)।

अधिकारियों के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी का उद्देश्य संसाधन जुटाना है। वित्त मंत्री का अतिरिक्त संभाल रहे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्य के राजस्व सृजन और राजकोषीय स्थिति की समीक्षा की और यह निर्णय लिया। ईंधन की कीमतों में बढ़ोत्तरी लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई है। इन नतीजों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को कर्नाटक में 28 में से 19 सीट मिलीं, जिसमें भाजपा ने 17 और जनता दल (सेक्युलर) ने दो सीट जीतीं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीट पर जीत हासित की।

उत्तरी सिक्किम में फंसे कुल 64 पर्यटकों को सुरक्षित लाया गया

गंगटोक। सिक्किम के मंगन जिला अंतर्गत विभिन्न स्थानों में फंसे पर्यटकों को गंगटोक लाने की पहल आज से शुरू हो गई है। इस बीच आज पहले बैच में चुंगथांग में फंसे 09 पर्यटकों को टुंग से मंगन के रास्ते सुरक्षित गंगटोक भेजा गया। पहले और दूसरे बैच में अब तक कुल 64 पर्यटकों को सुरक्षित लाया गया है। मंगन जिला के जिलापाल हेम कुमार छेत्री के नेतृत्व में मंगन जिले के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर फंसे पर्यटकों को वापस लाने की पहल शुरू की गई है। जिला प्रशासन सहित पर्यटन विभाग, वन विभाग, ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ सिक्किम और सीमा सडक संगठन की संयुक्त पहल से पर्यटकों को सुरक्षित लाने की पहल की गई है।

पर्यटकों को निकालने की प्रक्रिया के तहत आज शाम करीब 6 बजे दूसरे बैच में 55 पर्यटक मंगन पहुंचे हैं। उत्तर जिला प्रशासन ने कुल 64 पर्यटकों को सुरक्षित निकाले जाने की जानकारी दी है। प्रभावित पर्यटकों को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत अनुदान वितरित किया गया है। जिलापाल हेम कुमार छेत्री ने कहा कि अगर कल मौसम अनुकूल रहा तो फंसे हुए बाकी पर्यटकों को हेलीकॉप्टर से लाया जाएगा। इसके लिए बागडोगरा में एमआई-17 हेलीकॉप्टर तैनात हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान हेलीकॉप्टर के माध्यम से चुंगथांग और लाचुंग निवासियों तक आवश्यक सामग्री भी पहुंचाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि बीते 12 जून को भारी बारिश के कारण राजधानी गंगटोक और मंगन जिला के विभिन्न स्थानों को जोड़ने वाली सड़के जगह-जगह ध्वस्त हो गई थी। इस बीच उत्तरी जिले में घूमने गए पर्यटक फंस गए थे। मंगन जिले के विभिन्न स्थानों पर फिलहाल 12 सौ से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकवादी गिरफ्तार, चीनी पिस्तौल बरामद

कुपवाड़ा। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके में सोमवार को सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया। वह पाकिस्तान स्थित हैंडलर जहूर अहमद मीर के संपर्क में था, जो उसे ऐसे काम करने के निर्देश दे रहा था। हंदवाड़ा के एसएसपी दाऊद अयूब ने बताया कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना की 30आरआर और हंदवाड़ा पुलिस सहित सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। इस दौरान आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी जाकिर हामिद मीर को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ में पता चला कि उसे इलाके में आसानी से होने वाली आतंकी वारदात करने का जिम्मा सौंपा गया था, जिसमें वह निर्दोष नागरिकों को निशाना बना सकता था। अधिकारी ने बताया कि आतंकी के कब्जे से एक चीनी पिस्तौल और एक हथगोला बरामद किया गया है। उसके खिलाफ एफआईआर संख्या 124/2024 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

एसईसीएल कर्मचारी ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा। जिले में एसईसीएल कर्मचारी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। तीन महीने पहले उसके पिता की मौत हो गई थी। जिसके बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। मामला बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के कुधरीपारा का है। जानकारी के मुताबिक, नागराज बिंझवार एसईसीएल के रजगामार में पदस्थ था। रविवार की रात को शराब के नशे में घर पहुंचा। खाना खाने के बाद सोने चला गया था। इसी दौरान उसने कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों ने बताया कि, सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो कमरे में गए। जहां नागराज फांसी के फंदे पर लटकते मिला। उसके बड़े पिता ने बताया कि, नागराज शराब पीने का आदी था। कई जगह कर्ज भी ले रखा था। अपना पैसा मांगने लोग घर भी आते थे। उनके घर की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। पिता बुधवार सिंह की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली, तो भाई-बहन दोनों की एक साथ शादी करने वाले थे। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

पुणे जिले में करंट की चपेट में आने से परिवार के तीन सदस्यों की मौत

मुंबई। पुणे जिले के दौंड तहसील के दापोडी गांव में बिजली का करंट की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और बेटा शामिल हैं। जानकारी के अनुसार सुनील देवीदास भालेकर सपरिवार दापोडी गांव में पतरे के घर में रहते थे। सोमवार सुबह सुनील ने स्नान कर अपना तौलिया तार पर सूखने के लिए डालने गए थे, लेकिन तार में बिजली का करंट आ रहा था। तार पर तौलिया के दौराव चिपक गए। इसे देख उनकी पत्नी अदिका भालेकर और उनके छोटे बेटे परशुराम भालेकर ने भी सुनील को बचाने का प्रयास किया और वे तीनों बिजली के तार से चिपक गए। घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसी तत्काल मौके पर पहुंचे और बिजली डिकनेक्ट किया। इसके बाद तीनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के समय एक बेटी संयोग से किसी काम से घर से बाहर गई थी। इस घटना से गांव में शोक की लहर फैल गई है।

आईआईटी खड़गपुर की चौथे वर्ष की छात्रा का शव छात्रावास में फंदे से लटका मिला

कोलकाता। आईआईटी खड़गपुर की चौथे वर्ष की एक छात्रा का शव सोमवार को उसके छात्रावास में फंदे से लटकता पाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी (आईपीएस) ने बताया कि छात्रा की पहचान देविका पिल्लई के रूप में हुई है। आईपीएस अधिकारी ने कहा कि छात्रा का शव छात्रावास की इमारत की छत से फंदे पर लटका हुआ मिला। यह आत्महत्या का मामला है या कुछ और, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। हमने जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए खड़गपुर उप-मंडल अस्पताल भेज दिया गया है। खबर की पुष्टि करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक सूत्र ने बताया कि 'जैव प्रौद्योगिकी विभाग की चौथे वर्ष की छात्रा देविका पिल्लई का शव सुबह सरोजिनी नायडू छात्रावास परिसर में, छत से लटका हुआ मिला।

श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट शिव शक्ति धाम लगाएगा 500 पौधे

पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण भी ट्रस्ट उठाएगा जिम्मेदारी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। मानसून शुरू होने वाला है। शासन स्तर से मानसून के दौरान पौधारोपण की तैयारियां की जा रही हैं। श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट शिव शक्ति धाम डासना की ओर से इस मानसून में आश्रम में 500 पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है।

शिव शक्ति धाम डासना की संस्था श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट के महामंत्री छोटे नरसिंहानंद अनिल यादव ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से पौधे लगाने से लेकर उनकी सिंचाई और संरक्षण की पूरी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश भर में और विशेष रूप से गाजियाबाद में हरियाली बेहद तेजी से कम हो रही है। वन और खेत खत्म हो रहे हैं, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। इससे ज्यादा गर्मी पड़ने के साथ ही भूजल की स्थिति भी खराब होती जा रही है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। एक घर में जितने लोग हों कम से कम उतने पौधे लगाएं और उन्हें संरक्षित भी करें। यदि जिले की आबादी के अनुसार प्रति व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करता है तो जिले में लोगों को प्रचुर ऑक्सीजन मिलेगी। इसका प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ेगा और भूजल स्तर में भी सुधार होगा। छोटे नरसिंहानंद अनिल यादव ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से यह अभियान शुरू किया जा रहा है।

इसके पहले चरण में आश्रम में पौधा रोपण किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से फलदार पौधे लगाए जाएंगे। पौधों को रोपने के लेकर उनके बड़े होने तक उनका पूरा ध्यान रखा जाएगा। पौधे को भी संरक्षण की जरूरत होती है। हमें पेड़, पौधों को मित्र बनाना चाहिए और उनका पूरा ध्यान रखना चाहिए। जिस तरह से एनसीआर में कंक्रीट का जंगल बन गया है उसकी प्रतिकूलता सभी को महसूस हो रही है। एनसीआर में प्रदूषण की गंभीर समस्या बन गई है। जिससे कई तरह की बीमारियां भी फैल रही हैं। सभी को पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रम से इस अभियान को करके पूरे गाजियाबाद और एनसीआर में चलाया जाएगा। ट्रस्ट का प्रयास रहेगा कि गाजियाबाद और एनसीआर में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित भी किया जाए। पेड़ों की अधिकता से ही प्रदूषण और तेज गर्मी से निजात मिल सकती है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते तो भाजपा को केवल 40 लोकसभा सीटें ही मिलतीं: आदित्य ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि यदि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से होते तो भाजपा केवल 40 सीटें ही जीत पाती।

ठाकरे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट के परिणाम को भी "धोखाधड़ी" करार दिया, जहां शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के रवींद्र वायकर से 48 मतों से हार गए। विधायक ने दावा किया कि सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके हमारी जीत छीन ली गयी। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी मुंबई उत्तर पश्चिम सीट के चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका के साथ अदालत का

रुख करेगी। उन्होंने दावा किया कि अगर चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होते तो भाजपा 240 नहीं बल्कि केवल 40 सीटें जीतती। उल्लेखनीय है कि मुंबई में वनराई पुलिस ने वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ गोरेगांव (जो वायकर के निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है) में एक मतगणना केंद्र पर 4 जून को आम चुनावों के परिणाम घोषित होने के दिन मोबाइल फोन का कथित रूप से इस्तेमाल करने का मामला दर्ज किया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्य के पूर्व मंत्री अनिल परब ने कहा कि हमें संदेह है कि मोबाइल फोन (जांच के दौरान जब्त किया गया) बदल दिया गया होगा। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को उपलब्ध जानकारी के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए और कीर्तिकर को विजेता घोषित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि घोषित चुनाव परिणाम संदिग्ध हैं। हम कानूनी रास्ता अपना रहे हैं। हम एक या दो दिन में अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

परब ने कहा कि मुंबई उत्तर पश्चिम सीट के लिए मतगणना प्रक्रिया 19वें राउंड तक ठीक थी, लेकिन उसके बाद कोई पारदर्शिता नहीं रही। उन्होंने कहा कि 19वें राउंड तक हमारे मत विपक्षी उम्मीदवार से 650 अधिक थे।

नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे में 3 की मौत, उज्जैन से दर्शन कर लौट रहा था ललितपुर का परिवार

गुना। गुना में सोमवार तड़के बीनागंज इलाके में नेशनल हाइवे -46 पर कार एक्सीडेंट में दंपती और उनके पड़ोसी की मौत हो गई। कार चला रहा बेटा घायल है। सभी उज्जैन से दर्शन कर ललितपुर (उत्तरप्रदेश) लौट रहे थे। माना जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ है।

जानकारी अनुसार ललितपुर जिले के गाड़ियां गदयाना निवासी अशोक पुत्र अशर्फीलाल श्रीवास्तव अपनी पत्नी विनीता श्रीवास्तव और बेटे अभिषेक और पड़ोसी मनोज पुत्र गौरीशंकर पांडे के साथ उज्जैन महाकाल दर्शन करने के लिए गए थे। दर्शन करने के बाद सभी कार क्रमांक यूपी 32 एचएच 2471 से वापस लौट रहे थे। इस दौरान सोमवार तड़के नेशनल हाईवे-46 पर चांचौड़ा बीनागंज क्षेत्र में सागर होटल के सामने कार अनियंत्रित होकर खंती में उतरकर पलट गई। इस हादसे में अशोक श्रीवास्तव, उनकी पत्नी विनीता और पड़ोसी मनोज पांडे की मौत हो गई। जबकि कार

चला रहा अभिषेक एयरबैग खुलने से घायल हुआ है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ राहत कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि हादसे का कारण चालक को नींद का झोंका आना है। मृतकों और घायल को अस्पताल पहुंचाया गया है। बीनागंज अस्पताल में शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया।

तेज रफ्तार कार ने फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचला, 2 की मौत

मुंबई। नागपुर में दिघोरी नाका के पास बीती रात तेज रफ्तार कार ने सड़क के किनारे सो रहे बंजारा परिवार के 9 लोगों को कुचल दिया, जिसमें एक महिला और एक पुरुष की मौत हो गयी है। अन्य घायलों को शासकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार दिघोरी नाका के पास बंजारा परिवार के कुल 9 सदस्य सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे थे। रविवार को देर रात करीब साढ़े 12 बजे तेज रफ्तार कार ने इन सभी को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार में एक पुरुष और एक महिला था। इस घटना में पुलिस ने भूषण लांजेवार को गिरफ्तार किया है और उसकी मेडिकल जांच करवाई गई है। मामले की छानबीन की जा रही है।

सीडीएस जनरल चौहान ने जम्मू संभाग में सुरक्षा स्थितियों का जायजा लिया

जम्मू। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को जम्मू के नगरोटा स्थित 16 कोर मुख्यालय में क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें उत्तरी सेना कमांडर और जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) सहित सेना के शीर्ष कमांडरों ने जानकारी दी गई।

जम्मू संभाग में बढ़ते आतंकवाद से मजबूती से निपटने की रणनीति तैयार करने के लिए विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा समीक्षा बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई है। इससे पहले सीडीएस ने श्रीनगर में सेना के चिनार कोर मुख्यालय में सशस्त्र बल के अधिकारियों को संबोधित करके भारतीय सशस्त्र बलों में हो रहे बदलाव और उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय सेना और वायु सेना की विभिन्न संरचनाओं और इकाइयों के व्यावसायिकता

के उच्च मानकों की सराहना की। जनरल चौहान का यह दौरा रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक में सुरक्षा स्थिति और वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने के तुरंत बाद हुआ है। दरअसल, पिछले सप्ताह चार दिनों के भीतर जम्मू और कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर आतंकवादियों ने हमला किया। इन वारदातों में नौ तीर्थयात्री मारे गए और एक सीआरपीएफ जवान बलिदान हुआ और सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए। कठुआ जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए।

आतंकवादियों ने 9 जून को तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर गोलीबारी की, जब वह शिव खोडी मंदिर से कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी। गोलीबारी के बाद बस एक गहरी खाई में गिर गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। आतंकवादियों ने 11 जून को भद्रवाह के चट्टरगला में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की एक संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की, जबकि 12 जून को डोडा जिले के गंदोह इलाके में एक तलाशी दल पर हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक पुलिसकर्मी सहित सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्माः शिवराज

सीहोर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह और पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान के साथ विजयासन देवी धाम सलकनपुर पहुंचे। उन्होंने यहां माता विजयासन की पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण हो। भारत के विकास में कृषि का विशेष स्थान है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उसकी आत्मा किसान है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि के विकास और किसानों के कल्याण के लिए सतत काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खेती के विकास और किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं,

उन योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ने का काम किया जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि 18 जून को प्रधानमंत्री मोदी काशी में आयोजित कार्यक्रम में देश के किसानों के खाते में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित करेंगे।

उन्होंने कहा कि खेती का तेजी से विकास हो और किसान आगे बढ़े, इसके लिए 100 दिन की कार्य योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास भी सरकार की प्राथमिकता है और पहली कैबिनेट बैठक में ही प्रधानमंत्री मोदी ने तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण क्षेत्रों में बनाने का निर्णय लिया, ताकि गरीबों का खुद के पक्के मकान का सपना पूरा हो सके।

इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव, जिला भाजपा अध्यक्ष रवि मालवीय तथा सलकनपुर ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नई सरकार के नए बजट में दिखेगा गठबंधन का प्रभाव

सूर्या बुलेटिन

- विकास के साथ महंगाई पर भी होगा प्रहार
- रोजगार और शिक्षा क्षेत्र में सुधार की उम्मीद

गाजियाबाद। भले ही मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरूआत 9 जून हो गई है, लेकिन इस बार के चुनाव में पिछले दो चुनावों की तरह किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। इसका एक कारण देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजागारी को भी माना जा रहा है। ऐसे में नई गठित सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी की इस बार बजट 2024-25 में कुछ ऐसे फैसले लिए जाए जिससे आम जनता को भी राहत मिल सके।

नई सरकार में भी वित्त मंत्रालय संभालने की जिम्मेदारी एक बार फिर से निर्मला सीतारमण को दी गई है। इसके आर्थिक एजेंडा में देश को पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना और 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' में बदलने के लिए सुधारों को तेज करने के कदम शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, मंत्रालय ने बजट पर काम करना शुरू भी कर दिया है। इस बार बजट में खास तौर पर ध्यान रखा जाएगा कि सरकार इस बार वित्तीय घाटे को जीडीपी के 5.1 प्रतिशत तक ही रखेंगे या फिर आरबीआई की तरफ से 2.1 ट्रिलियन का जो लाभांश मिला है उससे वित्तीय घाटे का सुधार किया जाएगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी सरकार की ओर से पेश किए जाने वाले बजट 2024-25 में इस बार बहुत कुछ अलग हो सकता है। कयास इस बात के भी हैं कि गठबंधन का असर बजट पर भी देखने को मिल सकता है।लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि अगर उनकी सरकार तीसरी बार सत्ता में आती है तो उनकी प्राथमिकता अर्थव्यवस्था होगी। फिलहाल सरकार इकोनॉमी की रफ्तार को लेकर अपने कदम पीछे खींचने के मूड में बिल्कुल भी नजर नहीं आ रही है। पीएम मोदी ने चुनावी नतीजों के बाद भी जनता को

संबोधित करते हुए भी कहा था कि उनकी पार्टी का लक्ष्य भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाना और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का है। इस बार के पूर्ण बजट में मोदी सरकार देश की महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए कुछ नए और बड़े ऐलान कर सकती है।

अंतरिम बजट में किए गए बड़े ऐलान

फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में पीएम आवास के तहत तीन करोड़ घर बनाए गए, अगले पांच साल में ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ और घर बनाए जाएंगे। अंतरिम बजट में भारत में बढ़ रहे सर्वाइकल कैंसर के लिए टीकाकरण को बढ़ावा दिए जाने की बात कही गई, इसके तहत 9-14 साल के बच्चियों को मुफ्त टीका लगाने की बात कही गई थी। फरवरी 2024 में लखपति दीदी के लक्ष्य को बढ़ाकर 3 करोड़ किए जाने का लक्ष्य तय किया गया। अब तक देश में 1 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया गया है। इसके अलावा पीएम गति शक्ति योजना के तहत 3 नए कॉरिडोर बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था, इसके अलावा आने वाले 10 सालों में एयरपोर्ट की संख्या 149 तक हो गई है। वंदे भारत की 40,000 बोगियां अपग्रेड होंगी। मेट्रो और नमो भारत को अन्य शहरों से जोड़ा जाएगा।

इन मुद्दों पर रहेगी दुनिया की नजर

देश में कर राजस्व में उछाल के बाद भी गैर-कर राजस्व एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसका एक कारण ये भी है कि लोग स्ट्रैटेजिक इंवेस्टमेंट पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते है। शिपिंग कॉरपोरेशन, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, बीईएमएल, पीडीआईएल और एचएलएल लाइफकेयर सहित कई केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों की रणनीतिक बिक्री अभी प्रक्रिया में है। पिछले कुछ सालों में बैंकिंग क्षेत्र में सुधार के मोर्चे पर भी सरकार को काफी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इस बजट में बैंकिंग सेक्टर को लेकर बड़े लेने की भी उम्मीद है।

बजट में इन पर रह सकता है फोकस

अब जब इस चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं आए हैं। तो पूर्ण बजट में खासा लोकलुभावन होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस पूर्ण बजट में आम आदमी को टैक्स पर राहत मिल सकती है। इसके अलावा देश के किसानों के लिए खास ऐलान किया जा सकते हैं। पीएम उज्ज्वला योजना के जैसी कई और योजनाओं की घोषणा की जा सकती है। हालांकि, इन सबके साथ ही मोदी सरकार इकोनॉमी की रफ्तार को बनाए रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्टर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर अपना फोकस बनाए रख सकती है। नई सरकार इस बजट में महंगाई को कम करने को लेकर भी बड़े फैसले ले सकती है। दरअसल देश में बढ़ रही महंगाई आम जनता की जेब पर बोझ बढ़ता है। चुनाव प्रचार के दौरान भी इस मुद्दे को जमकर उठाया गया था। ऐसे में सरकार इस बजट में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए कदम उठा सकती है। देश में एजुकेशन सेक्टर को मजबूत और बेहतर बनाना भी बेहद जरूरी है। इसके मद्दे नजर केंद्र सरकार शिक्षा के बजट को बढ़ा सकती है ताकि सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। पूर्ण बजट में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं शुरू की जा सकती है, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के बच्चे भी ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर सकें। देश के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचे का विकास भी काफी महत्वपूर्ण है. ऐसे में पूर्ण बजट में सरकार सड़कों, पुलों, और रेल नेटवर्क के निर्माण का बजट और ज्यादा कर सकती है। इस फैसले से न सिर्फ परिवहन सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। पूर्ण बजट में रियल एस्टेट सेक्टर पर भी ध्यान दिया जाएगा। इस क्षेत्र से भी जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। सबसे पहले, यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है और लाखों लोगों को रोजगार देता है। इसलिए, इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार कुछ खास कदम उठा सकती है।

प्रदेश में होने वाले उपचुनाव को लेकर शुरू हुआ 'रण'

लोकसभा में भाजपा की करारी हार के बाद गहरा मंथन

सूर्या बुलेटिन

- अखिलेश का करिश्मा काम करेगा या योगी का चलेगा जादू
- गाजियाबाद में गहन मंथन के बाद होगा प्रत्याशी का चयन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव के बाद अब उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनावों को लेकर भाजपा, सपा और कांग्रेस तीनों ही दल पूरी तैयारी करने में जुटे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ या फिर अखिलेश यादव दोनों में से कौन बाजी मारता है।

लोकसभा चुनाव के बाद अब सबकी निगाहें उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनावों पर टिकी हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 33 सीटें जीती हैं, ऐसे में सभी की निगाहें उपचुनावों के लिए बीजेपी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीति पर टिकी हैं। वहीं, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आने वाले विधानसभा चुनाव में अपने पीडीए के फामूर्ले से फिर से बीजेपी पटखनी देंगे या फिर प्रदेश में योगी का जादू चलेगा। लोकसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ की योजना पर भाजपा संगठन ने काम नहीं किया था और केंद्रीय नेतृत्व से यूपी में सांसद प्रत्याशियों की चयन किया गया था, नतीजा सबके सामने है। केंद्र की ओर से चुने गए अधिकांश सांसद प्रत्याशियों को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसे जातीय गणित कहें या फिर भाजपा से नाराजगी यूपी में भाजपा ने 30 से ज्यादा सीटें गंवाई हैं। अब बात उपचुनाव की है। एक बार फिर करहल विधानसभा सीट की चर्चा हो रही है। यहां से अखिलेश यादव विधायक थे। उन्होंने साल 2022 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी के प्रोफेसर एसपी बघेल को 66 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हराया था। अब सवाल है कि विधानसभा के उप चुनाव में योगी आदित्यनाथ का गेम प्लान क्या होगा। क्या यूपी योगी ये साबित कर पाएंगे कि उत्तर प्रदेश में उनकी पकड़ अभी भी

मजबूत है। इस बीच 2024 के लोकसभा चुनावों में अखिलेश यादव ने बीजेपी के सुब्रत पाठक को चुनाव हराया था।

दूसरी विधानसभा सीट है फैजाबाद की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर 2022 से अवेधश प्रसाद विधायक थे. जहां पर उन्होंने बीजेपी के बाबा गोरखनाथ को हराया था। वहीं, अब उन्होंने बीजेपी के 2 बार के सांसद लल्लू सिंह को भी पटकनी दी है। हालांकि, वरिष्ठ पत्रकारों का दावा है कि इस बार का उपचुनाव योगी आदित्यनाथ के लिए नहीं, बल्कि, बीजेपी के लिए काफी कठिन रहने वाला है। चूंकि, इस बार योगी आदित्यनाथ का एग्जाम नहीं होगा। क्या इस बार के उपचुनाव में उम्मीदवार योगी से पूछ कर दिए जाएंगे। ये इस पर निर्भर करेगा. साथ ही सीएम योगी का क्या रोल रहेगा। इन बातों पर निर्भर करता है योगी पर कितनी चुनौती रहेगी। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव काफी चतुराई से काम कर रहे हैं। ऐसे में उनका पीडीए का फामूर्ला एक्टिव है और उसके रिजल्ट भी दिख रहे हैं। अगर, अखिलेश यादव ऐसे गठबंधन में रहते हैं और गठबंधन के तहत कांग्रेस फारवर्ड राजनीति की ओर 2 कदम आगे बढ़े। यूपी में ब्राह्मण इंतजार कर रहा ह।. इसके साथ ही अखिलेश यादव एक बढ़े वोटबैंक के लिए काम कर रहे हैं। उसका नतीजा विधानसभा के उप चुनाव में दिखेगा। वरिष्ठ पत्रकारों का दावा है कि बीजेपी उन 4 सीटें जो सपा के पास हैं, वो सीटें बीजेपी ले पाएगी, बहुत ही मुश्किल नजर आ रहा है। क्योंकि, सपा ने अपनी जिन सीटों पर विधायक को सांसद का चुनाव लड़ाया, वहां से जीत हासिल की है। ऐसे में फूलपुर सीट पर अखिलेश यादव का करिश्मा काम कर सकता है। फिलहाल ये देखना तो दिलचस्प रहेगा कि आगामी उप चुनाव में किसका पलड़ा भारी रहने वाला है.।

बात गाजियाबाद की

गाजियाबाद लोकसभा सीट पर अतुल गर्ग के निर्वाचित होने के बाद उन्होंने अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। अब गाजियाबाद में विधायक पद के लिए उप चुनाव होना है। अतुल गर्ग गाजियाबाद की सदर विधानसभा सीट से विधायक थे। इस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का दबदबा है। हालांकि भाजपा को यहां से उम्मदीवार के चयन में खासी समझदारी दिखानी होगी। साहिबाबाद विधानसभा से निर्वाचित हुए सुनील शर्मा (ब्राह्मण) को राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया गया है। अतुल गर्ग (वैश्य) को सांसद का टिकट दिया गया और वह निर्वाचित हुए। अब दलित, ओबीसी समाज का दावा खाली हुई गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट को लेकर है। गुर्जर समाज भी इस सीट पर दावा ठोक रहा है। गाजियाबाद की इस सीट से एक पूर्व मेयर, संगठन के महामंत्री, अध्यक्ष के साथ ही क्षेत्रीय संगठन के कई पदाधिकारी भी दावा ठोक रहे हैं। देखना यह होगा की भाजपा के पूर्ण रूप से सुरक्षित मानी जाने वाली इस सीट पर प्रत्याशी का चयन कौन करता है। क्या इस सीट पर इस बार भी केंद्र की मुहर लगेगी या फिर लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद केंद्र उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव के लिए योगी को जिम्मेदारी सौंपेगा। भाजपा को गाजियाबाद सदर सीट पर किसी भी तरह से मुकाबला कठिन नजर नहीं आ रहा है और मतदाताओं ने लोकसभा चुनाव में अपना निर्णय भी दे दिया है। इसके बावजूद इस सीट पर प्रत्याशी के चयन से पहले गंभीरता से विचार करना जरूरी है।

गारंटी पूरी करने के लिए जनता से होगी वसूली

कांग्रेस शासित कर्नाटक में महंगा हुआ पेट्रोल, डीजल

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर सेल्स टैक्स में बढ़ा दिया है। इसके बाद इसकी कीमतों में बढ़ोतरी हो गई। राज्य में पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.20 रुपये महंगा हो गया। सरकारी आदेश के अनुसार, पेट्रोल 25.92 से 29.84 और डीजल 14.34 से 18.44 प्रतिशत तक सेल्स टैक्स बढ़ा दिया है।

राज्य सरकार ने 15 जून को पेट्रोल और डीजल पर कर में वृद्धि की घोषणा की है। राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार, कर्नाटक बिक्री कर (केएसटी) पेट्रोल पर 25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84

प्रतिशत और डीजल पर 14.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दिया गया है। वित्त विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि यह तुरंत प्रभाव से लागू होगा। बेंगलुरू में इस समय पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर पर, जबकि डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि से इस वित्तीय वर्ष में लगभग 2,500-2,800 करोड़ रुपये जुटाने में मदद मिलेगी। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में सरकार बनने पर गारंटियों की घोषणा की थी, जिसके लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिए राज्य सरकार ने भारतीय निर्मित शराब (आईएमएल) पर सभी स्लैबों पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एईडी) लगाया है और बीयर पर एईडी 175 प्रतिशत से बढ़ाकर 185 प्रतिशत कर दिया है, नए पंजीकृत परिवहन वाहनों पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त उपकर लगाया है, 25 लाख रुपये से अधिक के ईवी (इलेक्ट्रिक वाहनों) पर आजीवन कर लगाया है और कर संग्रह में तेजी लाई है। सिद्धारमैया के 2024-25 के राजस्व-घाटे वाले बजट में कुल 3,71,383 करोड़ रुपये का रेवेन्यू है। 27,354 करोड़ रुपये के घाटे के साथ, यह संभवत पहली बार है जब किसी वित्तीय वर्ष में वार्षिक उधारी 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

चार राज्यों के विस चुनावों के लिए भाजपा ने प्रभारी घोषित किए

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद केंद्र में भाजपा गठबंधन की सरकार बन गई है। अब चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पूरी तरह से एक्टिव नजर आ रही है। भाजपा का प्रयास है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम का प्रभाव राज्यों के विधानसभा चुनावों पर न पड़े। बीजेपी ने चार राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। महाराष्ट्र में भूपेंद्र यादव को चुनाव प्रभारी और अश्विनी वैष्णव को चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया है। हरियाणा में धर्मेंद्र प्रधान को प्रदेश चुनाव प्रभारी और बिप्लब देब को प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बनाया गया है। झारखंड का जिम्मा शिवराज सिंह को दिया गया है। यहां हिमंत

बिस्वा सरमा को सह प्रभारी बनाया गया है। वहीं, जम्मू कश्मीर की जिम्मेदारी जी किशन रेड्डी को दी गई है।

देश में हाल ही में लोकसभा चुनाव हुए थे। इन चुनाव के नतीजे 4 जून को आए थे। इन चुनावों में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए को बहुमत मिल गया है। ऐसे में बीजेपी अब सत्ता में आकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इस साल के अंत तक महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी ने सभी चारों राज्यों में प्रभारी और सह प्रभारी के नामों का ऐलान कर दिया है।

महाराष्ट्र में विधानसभा का कार्यकाल इस साल के अंत में खत्म होना है। 288 सीटों वाले महाराष्ट्र में अक्टूबर या उससे पहले विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। वहीं, झारखंड का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म होना है। यहां पिछली बार नवंबर दिसंबर में विधानसभा चुनाव कराए गए थे। ऐसे में इस बार भी 81 सीटों वाले झारखंड में नवंबर दिसंबर में या उससे पहले चुनाव कराए जाने की संभावना है। इसी तरह हरियाणा में विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर 2024 को खत्म होना है। यहां पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 में हुआ था। ऐसे में इस बार भी चुनाव अक्टूबर या उससे पहले कराए जाने की संभावना है। वहीं, जम्मू कश्मीर में सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2024 तक चुनाव कराने का आदेश दिया है। जम्मू कश्मीर में सितंबर या उससे पहले विधानसभा चुनाव होना है।

केन्या में पर्यावरण सुरक्षा के लिए 10 लाख भारतीय कौवो की होगी बली

भारतीय कौवे केन्या में पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ अर्थ व्यवस्था के लिए नुकसानदायक

सूर्या बुलेटिन

- सरकार ने होटल संचालकों को जहर खरीदने की दी अनुमति
- 2024 के अंत तक 10 लाख कौवों को मारने की है योजना

गाजियाबाद। केन्या सरकार ने भारतीय कौवों के खिलाफ जंग छेड़ दी है। केन्या वाइल्डलाइफ सर्विस (केडब्ल्यूएस) का कहना है कि ये इंडियन हाउस क्रो विदेशी पक्षी हैं, जो पिछले कई दशकों से वहां रहने वाले लोगों को परेशान कर रहे हैं। केडब्ल्यूएस ने साल 2024 के अंत तक केन्या के पूरे तटीय इलाके से दस लाख कौवों को खत्म करने का ऐलान किया है। ये काले कौवे भारतीय मूल के बताए जा रहे हैं। माना जाता है कि 1940 के आसपास ये पूर्वी अफ्रीका में आ पहुंचे थे। तब से इनकी संख्या काफी बढ़ गई है और ये आक्रामक होते जा रहे हैं।

केन्या सरकार का कहना है कि इन विदेशी कौवों की वजह से केन्या के असली पक्षियों की संख्या बहुत कम हो गई है। इनमें धारीदार बबूल पंछी (स्केली बब्लर्स), सफेद काले कौवे (पाइड क्रोज), चूहे के रंग की सूरजपक्षी (माउस-कलर्ड सनबर्ड), बीनने वाले पंछी (वीवर बर्ड्स), छोटे चटख रंग के पंछी (कॉमन वैक्सबिल्स) और पानी के पास रहने वाले पंछी भी शामिल हैं। कौवों को सीलोन कौवा, कोलंबो कौवा या ग्रे नेक्ड कौवों के नाम से भी जाना जाता है। ये कौवा न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। इसकी लंबाई करीब 40 सेंटीमीटर (16 इंच) होती है। काले गरुड़ से ये थोड़ा छोटा और मांस खाने वाले गरुड़ से दुबला होता है।

इसकी खासियत है इसका रंग-सिर, गला और सीना काला चमकता हुआ, गर्दन और सीने का निचला हिस्सा हल्का भूरा होता है. पंख, पूंछ और पैर काले होते हैं। हालांकि, ये रंग थोड़े बहुत अलग भी हो सकते हैं, ये इस बात पर निर्भर करता है कि वो कहां रहता है। इसकी चोंच की मोटाई और पंखों के रंग में अलग-अलग इलाकों के हिसाब से थोड़ा बहुत फर्क हो सकता है।

सबसे ज्यादा कहां पाए जाते हैं कौवे?

ये कोवे मुख्य रूप से दक्षिण एशिया में पाए जाते हैं। ये मूल रूप से नेपाल, बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव्स, दक्षिणी म्यांमार, दक्षिणी थाईलैंड और ईरान के दक्षिणी तटीय इलाकों में पाए जाते हैं। लगभग 1897 के आसपास जहाजों के जरिए इन्हें पूर्वी अफ्रीका (जांजीबार के आसपास) और पोर्ट सूडान ले जाया गया था। जहाजों से ही ये ऑस्ट्रेलिया भी पहुंचे थे लेकिन वहां से अब इनका खात्मा कर दिया गया। हाल ही में, ये यूरोप भी पहुंच गए हैं और 1998 से नीदरलैंड के हार्बर टाउन हुक ऑफ हॉलैंड में रह रहे हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा में भी इन पक्षियो को देखा गया है। वहीं यमन के सोकोत्रा द्वीप पर साल 2009 तक ये कौवे रहते थे,

लेकिन वहां के खास पक्षियों को नुकसान न पहुंचे, इसलिए इन कौवों को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया। ये अक्सर गांव से लेकर बड़े शहरों तक, हर जगह इंसानों के आस-पास ही रहते हैं। सिंगापुर में तो 2001 में हर वर्ग किमी में 190 वौवे हुआ करते थे। वहां अब इनकी संख्या कम करने की कोशिश की जा रही है।

कौवों को किस तरह मारने का प्लान है

ये पहली बार नहीं है जब केन्या सरकार कौवों की संख्या कम करने की कोशिश कर रही है। जंगली जीव जंतु विभाग (केडब्ल्यूएस) के मुताबिक, करीब 20 साल पहले भी ऐसी ही कोशिश की गई थी और उस वक्त पक्षियों की संख्या कम भी हो गई थी। लेकिन ये कौवे बहुत जल्दी सीख लेते हैं और इंसानों के आसपास ही रहते हैं, जिसकी वजह से उनकी संख्या फिर से बहुत बढ़ गई है। इसीलिए नई योजना बनाई गई है। इस बार केन्या सरकार कौवों को खत्म करने के लिए कई तरीके अपना रही है। होटल चलाने वालों, कौवों को मारने का इंतजाम करने वाले डॉक्टरों, जंगल बचाने वाली संस्थाओं और रिसर्च करने वाली संस्थाओं के साथ मिलकर ये योजना बनाई गई है।

केन्या की पेस्ट कंट्रोल संस्था (पीसीपीबी) ने होटल चलाने वालों को जहर आयात करने की इजाजत दे दी है। उनका कहना है कि करीब 10 लाख जंगली कौवों को काबू करने का ये सबसे कारगर तरीका है जो केन्या के समुद्री इलाकों में रहते हैं। वन्यजीव विभाग (केडब्ल्यूएस) भी इन कौवों को मारने के लिए किसी खास तरीके को अपनाने की योजना बना रहा है। उनका मानना है कि ऐसे तरीका अपनाना जरूरी है जिससे दूसरे जंगली जानवरों और पूरे वातावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे।

कौवों से केन्या को कैसा नुकसान?

केन्या में पक्षी विशेषज्ञ कोलिन जैक्सन का कहना है कि इन भारतीय कौवों की वजह से केन्या के समुद्री इलाकों में छोटे, स्थानीय पक्षियों की संख्या बहुत कम हो गई है। ये भारतीय कौवे छोटे पक्षियों के घोंसले उजाड़ देते हैं। फिर उनके अंडे और चूजों को खा जाते हैं। कोलिन जैक्सन का कहना है कि जब जंगल के असली पक्षी कम हो जाते हैं, तो पूरा वातावरण खराब हो जाता है। कीड़े-मकोड़े और दूसरी छोटी जीव जंतु बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं, जिससे एक के बाद एक परेशानी खड़ी हो जाती है। इन कौवों का असर सिर्फ उन्हीं पक्षियों पर नहीं पड़ता जिन्हें वो खाते हैं, बल्कि पूरे वातावरण को नुकसान पहुंचाता है। बताया जा रहा है कि ये कौवे सिर्फ जंगली पक्षियों के लिए ही मुसीबत नहीं हैं, बल्कि टूरिस्ट और होटल इंडस्ट्री को भी काफी परेशानी दे रहे हैं। ये दोनों ही उद्योग केन्या के लिए विदेशी मुद्रा कमाने के लिए बहुत जरूरी हैं। समुद्र किनारे स्थित होटल वालों का कहना है कि ये कौवे खाने के वक्त सैलानियों को बहुत तंग करते हैं। केन्या के स्थानीय मुर्गी पालक भी कौवों से परेशान हैं। क्योंकि ये कौवें हर दिन 10-20 चूजों को उठाकर ले जा सकते हैं। इसलिए उन्हें पहले एक महीने तक मुर्गियों के बच्चों की बहुत देखभाल करनी पड़ती है। ये काफी ज्यादा संख्या में आते हैं और बेहद चालाक होते हैं। कुछ कौवे मुर्गियों और बत्तखों का ध्यान भटकाते हैं, फिर दूसरे ग्रुप के कौवे चूजों पर हमला कर देते हैं। ऐसे ही किसान भी इन बढ़ते हुए कौवों से परेशान हैं।

सम्पादकीय

लालच की आग से आई कुवैत में त्रासदी

कुवैत के मंगफ क्षेत्र में अग्निकांड के बाद खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीय मजदूरों की बदहाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मध्य पूर्व के इस देश में रोजगार की तलाश में गए 40 से अधिक भारतीय मजदूरों की मौत की घटना स्तब्ध करने वाली है। अग्निकांड के बाद भारत एवं कुवैत सरकार की तमाम एजंसियां सक्रिय हो गई हैं, लेकिन यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि वहां मजदूरों की जीवन दशा बेहद खराब है और इस बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं, जिन्हें अनसुना किया जाता रहा है। विदेश मंत्रालय के आंकड़े हैं कि खाड़ी देशों में स्थित भारतीय दूतावासों में मजदूरों की 48095 शिकायतें मिलीं, जिनमें सबसे ज्यादा कुवैत में ही 23020 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों पर क्या कदम उठाए गए, इस बारे में तथ्य उपलब्ध नहीं हैं। यह साफ है कि कुवैत में मजदूरों के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। वहां पर खराब स्थिति और कम संसाधनों के बीच उन्हें रहने को मजबूर किया जाता है। जबकि, कुवैत की अर्थव्यवस्था जो इस समय आगे बढ़ रही है, उसमें भारतीयों की भूमिका सबसे ज्यादा है। आरोप तो यहां तक लगते हैं कि कुवैत के स्थानीय लोग भारतीय मजदूरों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते। नियोक्ता तय वेतन से कम भुगतान करते हैं। सुविधाएं ना के बराबर हैं। एक-एक कमरे में 15 से 20 मजदूरों को ठूंस कर रखा जाता है। मंगफ क्षेत्र की जिस इमारत में आग लगी, उसकी सुरक्षा और सरकारी प्राधिकारों की अनुमति को लेकर भी सवाल उठे हैं। वहां जांच बिठा दी गई है। लेकिन अहम सवाल यह है कि व्यवस्था में सुधार को लेकर कोई पहल पहले क्यों नहीं दिखी। सवाल यह भी उठता है कि बदहाली के बावजूद कुवैत समेत खाड़ी देशों में मजदूरों की संख्या क्यों बढ़ रही है। एक रपट के मुताबिक, एक भारतीय मजदूर वहां चालीस से पचास हजार रुपए हर महीने कमा लेता है। जाहिर है, कुवैत में ज्यादा कमाई का लालच तो है ही। विदेश मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 1990-91 के खाड़ी युद्ध में कुवैत में भारतीय समुदाय पर बड़ा प्रभाव पड़ा। भारतीयों का बड़े पैमाने पर पलायन हुआ। 1.7 लाख से ज्यादा भारतीयों ने देश छोड़ा। लेकिन इसके बाद ज्यादा कमाई के लालच में वहां संख्या बढ़ी। साथ ही, वहां की कंपनियों का सस्ते श्रम का लालच भी बढ़ा। कुवैत में कई बार दुर्व्यवहार और धोखाधड़ी के मामले आए हैं। शोषण की शिकायतें इतनी ज्यादा मिलने लगी हैं कि भारतीय दूतावास में एक शिकायत निपटान केंद्र खोलना पड़ा। वहां अधिकतर मजदूर केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार से जाते हैं और उनके अनुभव आमतौर पर ठीक नहीं होते। मंगफ हादसे में मरे मजदूरों के बारे में ऐसी भी जानकारियां सामने आई हैं कि उनमें से कई को पर्यटक वीजा पर ले जाया गया। अब कुवैत सरकार ऐसे मजदूरों को अवैध मजदूर के तौर पर चिह्नित करने में जुटी है। पर्यटक वीजा पर भेजे गए मजदूरों का कोई रेकार्ड न तो दूतावास में होता है और न ही भारत सरकार के पास। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि भारत सरकार उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल का गठन करके अपनी ओर से भी जांच बिठाए।

'बालश्रम' का सामाजिक कलंक?

वैश्विक समस्या है बाल श्रम? किसी भी मुल्क के माथे पर सामाजिक कलंक भी है, फिर चाहें वह देश विकसित हो या विकासशील? आज से 19 वर्ष पहले यानी सन-2002 को इस बुराई के विरुद्ध प्रतिवर्ष 12 जून के दिन ह्यअंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठनह्न की पहल पर ह्यविश्व बालश्रम निषेध दिवसह्न मनाने का आरंभ हुआ। इस दिवस का मकसद चाइल्ड लेबर के सभी रूपों को रोकने के लिए जनमानस को जागरूकता करना था। जागरूकता को ध्यान में रखकर ही 2024 की थीम ह्यअपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें' बाल श्रम समाप्त करें, निर्धारित की गई है। आंकड़ों की माने तो बालश्रम एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर काबिज है। यहां कुल 7 फीसदी बच्चे विभिन्न किस्म की मजदूरी में संलिप्त है। यही कारण है कि 62 मिलियन बच्चों की बड़ी आबादी आज भी शिक्षा से महरूम है। रोकथाम के लिहाज से प्रयासों में कमी नहीं है, प्रयास बहुतेरे किए जाते हैं कि बच्चों को बाल श्रम की धधकती भट्टियों से आजाद करवाया जाएं। लेकिन परिवारों के मध्य संघर्ष, संकट और आर्थिक मजबूरियां उन्हें बाल श्रम करने को विवश करती हैं। बाल श्रम रोकने में सरकारी व सामाजिक दोनों के प्रयास नाकाफी न रहें, सभी को ईमानदारी से इस दायित्व में आहुति देनी चाहिए। कानूनों की कमी नहीं है, कई कानून सक्रिय हैं। बाल श्रम अधिनियम-1986 के तहत ढाबों, घरों, होटलों में बाल श्रम करवाना दंडनीय अपराध है। बावजूद इसके लोग बाल श्रम को बढ़ावा देते हैं। बच्चों को वह अपने प्रतिष्ठिनों में इसलिए काम दे देते हैं क्योंकि उन्हें कम मजदूरी देनी पड़ती है। लेकिन वह यह भूल बैठते हैं कि वह कितना बड़ा अपराध कर रहे हैं। बाल मजदूरी रोकने के लिए 1979 में बनी गुरुपाद स्वामी समिति ने बेहतरीन काम किया था। उसके बाद अलग मंत्रालय, आयोग, संस्थान और समितियां बनीं, लेकिन बात फिर वहीं आकर रुक जाती है कि जब तक आमजन की सहभागिता नहीं होगी, सरकारी प्रयास भी नाकाफी साबित होंगे। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय विगत कई दशकों से बाल श्रम को समाप्त करने में ईमानदारी से प्रतिबद्धता व्यक्त कर रहा है। बावजूद इसके संपूर्ण विश्व में आज भी करीब 160 मिलियन बच्चे बाल श्रम की भट्टी में तप रहे हैं। दुनिया भर में करीब दस में से एक बच्चा आज भी किसी न किसी रूप में मजदूरी करने को मजबूर है। बाल श्रम से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहताशा प्रयास हो रहे हैं। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा लगातार कार्यान्वित शिक्षा, कला और मीडिया के माध्यम से बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लेकिन फिर भी बाल श्रम की समस्या थमने के बजाय और बढ़ रही है। हिंदी फिल्म ह्यबूट पॉलिशह्न का एक गाना है कि ह्यनन्हें मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है, मुट्ठी में है तकदीर हमारीह्न के बोल न सिर्फ बालश्रम की भट्टियों में धधकते बचपन के प्रति संवेदना जगाते हैं, बल्कि हुकूमतों के लिए बाल समस्याओं पर अंकुश न लगाने व उनसे जुड़े उत्पीड़न और अपराध के प्रति घोर निराशा भी व्यक्त करते हैं। बाल मजदूरी वैश्विक समस्या का रूप ले चुकी है। इसलिए सिर्फ सरकार-सिस्टम पर सवाल उठाने से अब काम नहीं चलने वाला? समाधान के विकल्प सभी को मिलकर खोजने होंगे? सड़कों पर भीख मांगते बच्चे, ईट भट्ठों पर काम करते नौनिहाल, विभिन्न अपराधों में लिप्त बच्चे व शिक्षा से महरूम बच्चों को देखकर मुंह मोड़ने के बजाय है, हुकूमतों को चेताना होगा। बच्चों से मुंह फेरना ही हमारा सबसे बड़ा अपराध है।

जी- 7 देशों को साधकर चीनी चुनौतियों का मुकाबला करेगा भारत

दुनिया की सात सबसे बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में चीन के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के संकल्प प्रस्ताव को जो मंजूरी दी गई है, उसके वैश्विक मायने स्पष्ट हैं। इन संकल्पों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। हालांकि रूस, चीन और अरब देशों के ईरान-तुर्किये समर्थित एक धड़े की तिकड़ी के सामने वो कितने टिकेंगे, यह तेजी से बदलता हुआ वक्त बताएगा।

खासकर भारत और उसके पीछे लामबंद तीसरी दुनिया के देश यदि तटस्थ हो गए, तब क्या होगा, यह समझना भी जरूरी है। वैसे तो जी-7 शिखर सम्मेलन में इस प्रस्ताव पर भी सहमति जताई गई कि उन चीनी कम्पनियों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद की है। खास तौर पर चीन के उन वित्तीय संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए हथियार हासिल करने में मदद की है। सम्भवतया भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसका रूसी प्रेम जगजाहिर है।

वहीं, शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ जिन दो संकल्पों को मंजूरी दी, वो भी निकट भविष्य में अपना असर जरूर दिखाएंगे। क्योंकि इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है। स्वाभाविक है कि भारत भी उनमें से एक हो सकता है, क्योंकि उसने रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल की खरीददारी की और उसे यूरोपीय बाजारों तक पहुंचाकर भारी मुनाफा कमाया।

वहीं, जी-7 के नेताओं ने एक साझा वक्तव्य में कहा कि वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। इसमें भी शक की सुई भारत और उसके समर्थक तीसरी दुनिया के देशों की ओर घूम सकती है। लेकिन भारत पर निशाना साधने से पश्चिमी देशों का खेल गड़बड़ा सकता है, इसलिए उन्होंने रणनीतिक रूप से चीन पर निशाना साधा है, जो रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद वैश्विक रणनीतिक पार्टनर बन चुका है।

यही वजह है कि जी-7 देशों ने चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार के खिलाफ भी कार्रवाई का संकल्प लिया है। खासतौर पर चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करने पर जोर देने की बात कही है। इसके अलावा, चीन को निर्यात नियंत्रण के जरिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने से परहेज करने की भी चेतावनी दी गई है, खास तौर पर चिप व इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में काम आने वाले अहम खनिजों पर एकतरफा निर्यात प्रतिबंधों को अनुचित करार दिया।

वहीं, जी-7 ने चीन की कुटिल चालों से अपने व्यवसायों की रक्षा करने और चीन के साथ व्यापार में संतुलन लाने के लिए कार्रवाई करने की बात की है। इसके अलावा, अपने मसौदा बयान में कहा है कि हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे। इसके अलावा, जी-7 देश तबतक यूक्रेन के पीछे खड़े रहेंगे जबतक जरूरत होगी। यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए समूह पूरी मदद देता रहेगा। अब गौर करने वाली बात यह है कि जी-7 देश जहां रूस समर्थक चीन को ललकार रहे हैं, वहीं रूस के भरोसेमंद मित्र भारत को पुचकार रहे हैं। तभी तो दुनिया के सबसे शक्तिशाली सात देशों के संगठन जी-7 का सदस्य न होने के बावजूद इसकी शिखर बैठकों में पिछले कई सालों से भारत को महत्व दिया जा रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में भारत की बढ़ती धमक को ही दशार्ता है।

गोया, इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा के तौर पर जी-7 देशों के सम्मेलन में शिरकत करने के लिए इटली पहुंचे हैं, जिसके अपने खास मायने हैं, जो स्पष्ट हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब यूक्रेन युद्ध अपने तीसरे वर्ष में पहुंच गया है, इजरायल-हमास युद्ध भी खत्म होता नहीं दिख रहा है और यूरोपीय देशों के चुनावों में राजनीति का चेहरा बदलता दिख रहा है, दुनिया की सर्वाधिक उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मिलकर आगे की रणनीतियों पर विचार कर रही हैं, तब अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया-प्रशांत के बारह विकासशील देशों को भी इस चर्चा में शामिल करने का अर्थ स्पष्ट है कि उनका कोई भी सार्थक मकसद इनके सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता है। ऐसा इसलिए कि भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देश जी-7 के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये तीनों ही देश जी-7 के प्रबल प्रतिद्वंद्वी रूस और चीन के साथ ब्रिक्स समूह का भी हिस्सा हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र जिस तेजी से अपनी प्रासंगिकता खो रहा है, और चतुरसुजान देशों द्वारा उसे खोने दिया जा रहा है, उसे देखते हुए वैश्विक व्यवस्था में जी-7 जैसे क्षेत्रीय संगठनों का महत्व बढ़ा है।

हालांकि, यह भी एक तल्ख सच्चाई है कि जी-7 भी अब उतना मजबूत नहीं दिखता है, जितना पहले दिखता था। क्योंकि 1980 के दशक में जी-7 देशों का जीडीपी वैश्विक जीडीपी का करीब 60 फीसदी था, जो अब घटकर 40 फीसदी रह गया है। वहीं, पिछले एक दशक में भारत को देखने का दुनिया का नजरिया बदला है, तो जिसकी साफ वजहें भी हैं। ऐसे समय में जब ज्यादा देशों की अर्थव्यवस्थाएं स्थिर बनी हुई हैं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष व विश्व बैंक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक मान रही हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ब्रिटेन के बराबर है, तो फ्रांस, इटली और कनाडा जैसे देशों से कहीं ज्यादा है। लेकिन भारत को मिलने वाले महत्व की एक बड़ी वजह यह भी है कि भारत जहां दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, तो जी-7 भी लोकतांत्रिक देशों का समूह है। लिहाजा, यह भारत की कूटनीतिक कामयाबी ही है कि आज अमेरिका, रूस और यूक्रेन, तीनों भारत से नजदीकी सम्बंध चाहते हैं। वैश्विक आयोजनों में भारत की बढ़ती भागीदारी, वैश्विक चुनौतियों को हल करने में भारत के महती प्रयासों की बढ़ती मान्यता को ही दशार्ती है। इसलिए भारत को अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों पर चलते हुए वैश्विक संघर्ष को संतुलित करने की दिशा में अपना अहम योगदान देना चाहिए। चीनी कुटिल चालों का यही सुलझा हुआ जवाब भी होगा।

आपराधिक आरोपों के प्रत्याशियों से किसी दल को गुरेज नहीं

आपराधिक आरोपों के विजयी उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 63 सांसदों पर हर तरह मामले विचाराधीन हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 32 सांसदों, सपा के 37 विजयी उम्मीदवारों में से 17 सांसदों और तृणमूल कांग्रेस के 29 विजयी उम्मीदवारों में से 7 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

राजनीतिक दलों में चाहे जितने भी वैचारिक और सैद्धान्तिक मतभेद हों किन्तु एक मुद्दे पर देश के सभी राजनीतिक दलों में मौन सहमति है। यह चुप्पी है आपराधिक पृष्ठभूमि के सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के चुने जाने को लेकर। लोकसभा चुनाव के दौरान किसी भी राजनीतिक दल ने लोकतंत्र की पवित्रता को बचाए रखने के लिए आपराधिक रिकार्ड वाले प्रत्याशियों को दरकिनार करना तो दूर बल्कि सत्ता का समीकरण बिठाने के लिए बढ़-चढ़ कर टिकट दिए। सत्ता का स्वार्थ इस कदर हावी है कि इस मुद्दे पर कोई चर्चा तक करना नहीं करना चाहता। यही वजह रही कि लोकसभा के चुनाव में अपराध और राजनीति चुनावी मुद्दा नहीं बन सका। राजनीतिक मंचों से दलों ने एक-दूसरे पर कई तरह के आरोप लगाए पर आपराधिक आरोपों के नेताओं को टिकट देने के मामले में सब के सब मौन रहे। 18वीं लोकसभा चुनाव में कुल 543 सीटों में से 251 नवनिर्वाचित सांसद ऐसे हैं, जिन के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। हत्या, बलात्कार, लूट और डकैती जैसे अपराध के गंभीर आरोपों से नेताओं का दामन दागदार है। ऐसे में देश में अपराध और भय से मुक्ति दिलाने की सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है।

आपराधिक आरोपों के विजयी उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 63 सांसदों पर हर तरह मामले विचाराधीन हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 32 सांसदों, सपा के 37 विजयी उम्मीदवारों में से 17 सांसदों और तृणमूल कांग्रेस के 29 विजयी उम्मीदवारों में से 7 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। लोकसभा चुनाव में 170 विजयी उम्मीदवारों ने बलात्कार, हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध आदि से संबंधित मामलों सहित गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। अपराधी छवि के जीतने वाले उम्मीदवारों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में 539 सांसदों में से 233 सांसदों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किये थे। इनमें से 159 सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पिछली लोकसभा में जहां कुल सदस्यों के 43 फीसदी अर्थात 233 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे थे, तो अब नई 18वीं लोकसभा में 46 फीसदी के साथ ये संख्या 251 हो गई है। इसमें तीन फीसदी का इजाफा हो गया है, लेकिन 2009 से मुकाबला करें तो 15 साल में इसमें 55 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस लोकसभा में 170 गंभीर आरोपियों में 27 सांसद सजायाफ्ता हैं, वहीं, 4 पर हत्या के मामले हैं. 15 सांसदों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के इल्जाम हैं, जिनमें से 2 पर रेप का आरोप है। अपराधी पृष्ठभूमि वाले 43 सांसद हेट स्पीच के आरोपी हैं।

वोट बैंक की राजनीति इस हद तक नीचे गिर गई है आपराधिक कृत्यों के आरोपों में न तो प्रत्याशी में कोई शर्म बाकी रह गई और न ही राजनीतिक दलों में। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों में सत्ता की प्रतिस्पर्धा से अपराधी छवि वाले प्रत्याशी जीत कर देश और राज्यों को चलाने के लिए संसद और विधानसभाओं तक पहुंच रहे हैं। लोकतंत्र में शुचिता और पारदर्शिता की मिसाल पेश करने के बजाए नेता और राजनीतिक दल उल्टी गंगा बहा रहे हैं। सार्वजनिक तौर बिना झिझक माफियाओं से गलबहियां डालना और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर नेताओं के संवेदना दिखा कर वोट बटोरने का प्रयास करने का सिलसिला जारी है। सोशल मीडिया की जागरुकता के इस दौर में यह प्रवृत्ति कांग्रेस और भाजपा में कम नजर आती है, किन्तु अन्य दलों में जरा भी लोकलाज नहीं बची है। उत्तर प्रदेश में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ऐसे दुर्दांत अपराधियों के खात्मे के बजाए उल्टे आरोप लगाए। यादव ने ट्वीट किया था कि उत्तर प्रदेश में अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। सपा सांसद रहे दिवंगत डॉ शफीकुर्रहमान बर्क ने इस माफिया के अपराधी भाई अतीक अशरफ के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने पर ट्वीट कर कहा था कि देश में कोर्ट कचहरी और थानों में ताले लग जाने चाहिए। कानून-व्यवस्था को मिट्टी में मिला दिया। उत्तर प्रदेश के ही माफिया मुख्तार अंसारी की बीमारी से हुई मौत को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश ने मुस्लिमों की संवेदनाएं बटोरने और उन्हें उकसाने में कसर नहीं छोड़ी। अंसारी के परिवार की मिजाजपुर्सी के लिए पहुंचे अखिलेश ने कहा था परिवार का दुख बांटने और जो घटना हुई है वो शॉकिंग थी सबके लिए। यादव ने अंसारी के आपराधिक कृत्यों पर पर्दा डालते हुए कहा था कि जो व्यक्ति इतने वर्षों जेल रहा हो और उसके बाद भी जनता जिता रही हो तो इसका मतलब परिवार और उस व्यक्ति ने जनता का दुख दर्द बांटा है। अंसारी के खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। बाहुबली अतीक अहमद और शहाबुद्दीन का नाम लेकर वोट की अपील करने पर मुकदमा दर्ज होने से बौखलाए यूपी की संभल सीट पर सपा की टिकट पर सांसद चुने गए जियाउर्रहमान बर्क ने मंच से चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को धमकी भरे तेवर दिखाए थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग आचार संहिता का उल्लंघन करें तो कोई कुछ नहीं कहता, लेकिन हम दायरे में रहकर भी सही बात करें तो मुकदमा दर्ज कर देते हैं। जियाउर्रहमान ने मंच से ही चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से धमकी भरे अंदाज में कहा था कि याद रखना हमेशा एक जैसे दिन नहीं रहते हैं क्योंकि कभी दिन बड़ा होता है तो कभी रात बड़ी होती है, लेकिन जिस दिन वक्त बदलेगा तो हम इन चीजों को भूलने वाले नहीं हैं। उत्तर प्रदेश की तरह बिहार में भी आपराधिक रिकार्डधारी आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों को गले लगाने के लिए राजनीतिक दल आतुर रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में बिहार में पांच बाहुलियों ने अपनी पत्नियों को मैदान में उतारा था, इनमें तीन को हार का सामना करना पड़ा। जबकि दो को जीत मिली। हत्या के मामले में दोषी और डॉन आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद ने जेडीयू के टिकट पर शिवहर चुनाव जीता है। सिवान से जेडीयू के टिकट पर चुनाव जीतने वालीं विजयलक्ष्मी देवी बाहुबली नेता रमेश सिंह कुशवाहा की पत्नी हैं। रमेश का ताल्लुक से माओवादी संगठन से सम्बद्ध सीपीआई एमएल से रहा है और शिवजी दुबे हत्याकांड में जेल भी जा चुके हैं। राजनीतिक दलों का एकमात्र उद्देश्य सिर्फ सत्ता प्राप्त करना रह गया है। इसके लिए बेशक संगीन अपराधों के आरोपियों को ही टिकट देकर क्यों न जिताना पड़े। अपराध के आरोपियों को टिकट देने के लिए राजनीतिक दल जितने जिम्मेदार हैं, उतने ही उन लोकसभा क्षेत्रों के मतदाता भी जिम्मेदार हैं। मतदाता जात-पांत, धर्म, ऊंच-नीच और प्रचार के दौरान किसी न किसी रूप में फायदा मिलने के लालच में ऐसे प्रत्याशियों को जिताने में पीछे रहते है। हालांकि विगत में होने वाले चुनावों में बाहुबली और माफियाओं के चुनाव जीतने की कहानी अब भले ही इतिहास हो चुकी है पर पूरी तरह से सफाई नहीं हुई है। माफियाओं के लिए बदनाम रहे उत्तर प्रदेश और बिहार में काफी हद इनका खात्मा हो चुका है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं का चुनाव जीतना इस बात का द्योतक है कि देश में विशुद्ध तौर पर लोकतंत्र आने में अभी दशकों का वक्त लगेगा।

लोकसभा 2024 का जनादेश रखता है मायने अनेक

लोकसभा चुनाव का शोर थम गया है। अब नतीजों की समीक्षा का दौर है। सभी दलों के नेता अपनी-अपनी खामियां और खूबियों का आकलन कर रहे हैं। मगर आम आदमी के नजरिये से देखा जाए तो यह चुनाव कई मायनों में निचले से निचले स्तर पर जाता दिखा। तमाम दलों के नेता उनके समर्थक बार-बार अपनी जुबान से जहर उगलते रहे। जाति, धर्म, राम मंदिर, आरक्षण, मुस्लिम आरक्षण, संविधान, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, ईवीएम, किसान से लेकर वो जिहाद, मंगलसूत्र, मुजरा, कानून व्यवस्था, बाहुबली, मिट्टी में मिल गये माफिया, मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं सब छाये रहे। एनडीए सरकार की सभी योजनाओं में से प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज सबसे प्रभावी और दूरगामी प्रतीत हुआ। जाति या समुदाय से इतर दूरदराज के इलाकों में जितने भी लोगों से बात हुई, उनमें से अधिकांश ने माना कि उन्हें मुफ्त अनाज मिला है। जरूरतमंदों ने इसके लिए सरकार की खूब सराहना की। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का फायदा उठाने वाला एक बड़ा वर्ग बीजेपी की हौसला अफजाई करता रहा। गुलाम कश्मीर, पाकिस्तान और चीन की भी खूब बात हुई।

जीवन और आजीविका के रोजमर्रा के संघर्ष-रोटी-कपड़ा और रोजगार पूर्वी और पश्चिमी यूपी में हर किसी चुनावी चर्चा का अभिन्न अंग तो रहे, लेकिन चुनावी चर्चा में जाति और समुदाय की केंद्रीयता ज्यादा बनी रही। मोटे तौर पर भाजपा के सामाजिक गठबंधन (उच्च जातियां, पटेल, निषाद और अन्य जैसे गैर-यादव ओबीसी) और समाजवादी पार्टी (यादव-मुस्लिम) बरकरार हैं। वहीं बसपा अपने दलित कोर वोटरों पर ध्यान केंद्रित करें रही। कई नेताओं ने इधर से उधर पल भी बदला। पूरे देश की तरह उत्तर प्रदेश में पूरी चुनावी बहसों के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही नजर आए। यहाँ तक कि कई जगह तो भाजपा उम्मीदवार के नाम तक की चर्चा भी नहीं देखने को मिली। ऐसा लग रहा था जैसे नेताओं के सामने पार्टी गौण हो गई थी।यह नजरा बीजेपी,कांग्रेस ही नहीं सभी दलों में देखने को मिला।वहीं कुछ अहम मुद्दे छूट भी गए। खासकर पर्यावरण प्रेमी इस बात से नाराज दिखे कि पर्यावरण, जल, जंगल,जमीन की ओर किसी का ध्यान नहीं गया।

लोकतंत्र की बुनियाद चुनाव हैं और चुनाव में नेता और वोटर एक-दूसरे को संवाद व अन्य माध्यमों से परखते हैं, लेकिन अब संवाद का सिलसिला काफी बदल गया है। बड़े नेताओं की जनसभाओं के दौरान सब कुछ मोबाइल से हो रहा है। सोशल मीडिया पर अलग से लड़ाई जारी थी। एक समय था जब लाउडस्पीकर लगी जीप गांवों में पहुंचती थी, तो बच्चे उसके पीछे भागने लगते थे। इस जीप से बिल्ला लुटाए जाते थे। इन पर प्रत्याशियों की फोटो और चुनाव चिन्ह छपा होता था। बिल्ले को लूटने और इकट्ठा करने का उस वक्त बच्चों से लेकर युवाओं तक में अलग ही क्रेज था। इसी से हमको पता चलता था कि चुनाव आ गया है। यादों के फ्लैशबैक से यह कहना है बरौला निवासी चौधरी बीसी प्रधान का। वह बताते हैं कि अब सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों की रील दिखती हैं और वाट्सऐप मेसेज से पता चल रहा है। वक्त के साथ प्रचार सामग्री में यह बड़ा बदलाव आया है। पहले की तरह कपड़े के बैनर और झंडे भी अब नजर नहीं आते हैं। यही नहीं इस चुनाव में दीवारों पर चिपकाए जाने वाले कागज के पोस्टर भी नजर नहीं आ रहे हैं। इस बदलाव को 35-40 साल की उम्र वाला तबका महसूस कर रहा है।

अतीत पर नजर डाली जाये तो पहले राष्ट्रीय दलों के प्रचार के तरीकों और सामग्री की पहुंच आसान थी। चुनावी नारों और लाउडस्पीकर पर बजने वाली रेकार्डेड कैसेट में हर दल के गाने भी अलग रहते थे। इन गानों के बजने से ही घरों में बैठे लोग यह जान जाते थे कि कौन से दल का प्रचार वाहन आया है। अब चुनाव आयोग की बंदिशों के साथ शहरीकरण से छाए शोर में लाउडस्पीकर उपयोगी नहीं बचा है। यही नहीं चुनावी सभाओं में भी अब लाउडस्पीकर की जगह साउंड ही नजर आते हैं। इसी तरह दीवारों पर होने वाली पेंटिंग भी विलुप्त हो गई है। कई और बदलाव भी हो चुके हैं। बात अगर यूपी की करें तो नीला, भगवा, पीला, सफेद यह रंग अलग-अलग दलों के हैं। दादरी निवासी ओमी सिंह (88) बताते हैं कि पहले किसी दल का कोई रंग नहीं था, न ही इतने दल थे। फिर धीरे-धीरे दल और चुनाव में प्रचार सामग्री बढ़ने लगी। प्रत्याशी हाथ से कपड़े पर अपना नाम लिखवाकर और चुनाव चिन्ह बनवाकर चौराहें, बाजार में टांगते थे। नेताओं की बड़ी सभाओं में भी मंच पर यह बैनर ही लगते थे। यह बैनर अलग-अलग दिखें और दूर से समझ में आ जाए इसलिए इनको अलग-अलग रंग दिया जाने लगा। अब मौजूदा समय में हर दल का यह रंग सोशल मीडिया पर भी उनके पोस्टर व फ्लैक्स व होर्डिंग में नजर आता है।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिये चुनाव और उसमें मतदाताओं की भागीदारी काफी अहम है, लेकिन प्रदेश में पश्चिम क्षेत्र से शुरू हुआ लोकसभा का चुनावी सफर सातवें चरण में पूर्वांचल पहुंचते-पहुंचते मतदान प्रतिशत के लिहाज से हांफने हुये भी दिखा।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सीमा यादव द्वारा मै0 सुभाषिनी ऑफसैट प्रिन्टर्स एप-10 पटेल नगर तृतीय, गाजियाबाद से मुद्रित करवाकर प्राचीन देवी मंदिर डासना, गाजियाबाद उ.प्र. से प्रकाशित किया।

Tital Code : UPHIN40005

संपादक - अनिल यादव

Mo. 93111 39274

www.suryabulletin.com
suryabulletin@gmail.com

इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया

गेल्सेंकिर्चेन (जर्मनी)। जूड बेलिंगहैम के गोल की मदद से इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। रियाल मैड्रिड की तरफ से खेलने वाले बेलिंगहैम ने 13वें मिनट में बुकायो साका के क्रॉस पर हेडर से गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस मैच से पहले दोनों टीम के प्रशंसकों के बीच आपस में झड़प हो गई थी जिसके कारण सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी।

बेलिंगहैम के शुरू में गोल करने के बाद इंग्लैंड के प्रशंसक जश्न में डूब गए। सर्बिया ने इसके बाद कुछ मौके बनाए लेकिन वह अपने समर्थकों को जश्न मनाने का मौका नहीं दे पाया। बेलिंगहैम ने मैच के बाद कहा,''यह व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए शानदार शुरुआत है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है लेकिन टीम को जीत दिलाना अधिक महत्वपूर्ण है।' ' इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन सर्बिया के गोलकीपर प्रेड्रैग राजकोविच ने उनका हेडर गोल के अंदर नहीं जाने दिया। केन का किसी बड़े टूर्नामेंट में यह 23वां मैच था जो इंग्लैंड की तरफ से नया रिकॉर्ड है। केन ने मैच के बाद कहा,''यह बेहद कड़ा मैच था। उनके पास कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं और उनकी टीम को हराना आसान नहीं है। इस मैच से तीन अंक हासिल करना अच्छा रहा। '' इस जीत से इंग्लैंड ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंच गया। इस ग्रुप में इससे पहले डेनमार्क और स्लोवेनिया का मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था। इंग्लैंड अपना अगला मैच गुरुवार को फ्रैंकफर्ट में डेनमार्क के खिलाफ खेलेगा।

कप्तानी छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है, यह फैसला पीसीबी का है: बाबर

फोर्ट लाउडरहिल (फ्लोरिडा)। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने के बाद आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने के बारे नहीं सोचा है और इस बारे में कोई फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद किया जायेगा।

पिछले टी20 विश्व कप (2022) के उपविजेता पाकिस्तान को ग्रुप ए में अपने शुरुआती दो मैचों में अमेरिका और भारत से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सुपर आठ चरण में जगह बनाने में विफल रही। एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। आयरलैंड को तीन विकेट से हराने के बाद बाबर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैं वापस जाऊंगा (पाकिस्तान) तो हम उन सभी चीजों पर चर्चा करेंगे जो यहां हुई हैं। अगर मुझे कप्तानी छोड़नी होगी, यह फैसला, मैं आपको

खुलकर बताऊंगा। मैं पर्दे के पीछे कुछ भी घोषणा नहीं करूंगा। जो कुछ भी होगा वह सब के सामने होगा।'' बाबर ने कहा कि पीसीबी ने उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी थी और इसके जारी रखने पर कोई भी फैसला उन्हीं का होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। निर्णय पीसीबी का है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी नेतृत्व की भूमिका की मांग नहीं की है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, '' कप्तानी के बारे में बात करें तो जब मैंने इसे (वनडे विश्व कप के बाद) छोड़ा था, तो मैंने सोचा था कि अब मुझे यह नहीं करना चाहिए, इसलिए मैंने इसे छोड़ दिया और मैंने खुद इसकी घोषणा की। फिर जब उन्होंने इसे मुझे वापस दिया, तो यह यह पीसीबी का निर्णय था।'' इस दौरान बार-बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछे जाने से बाबर झल्ला गए और उन्होंने निराशाजनक अंदाज में कहा कि टीम की हार के लिए सिर्फ उन्हें बलि का बकरा नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' हर कोई निराश है। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। मैंने आपको पहले भी कहा कि हम किसी एक खिलाड़ी की वजह से नहीं हारे हैं।'' बाबर ने कहा, '' हम एक टीम के तौर पर हारे हैं। मैं कप्तान हूं इसलिए आप बार-बार मेरे ऊपर उंगली उठा रहे हैं, मै सभी खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी की अपनी भूमिका होती है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम चीजों को लागू करने, उसका पालन करने और सही तरीके से खत्म करने में सक्षम नहीं रहे हैं। हमें शांत होकर यह स्वीकार करना होगा कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेल सके।''

संक्षिप्त खबरें

पावो नूरमी खेलों से ओलंपिक की तैयारियों की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कू (फ़िनलैंड)। मामूली चोट से उबरने के लिए कुछ समय तक आराम करने वाले ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को जर्मनी के किशोर एथलीट मैक्स डेहनिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है जो 90 मीटर तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक में चोपड़ा के लिए कड़ा प्रतिस्पर्धी माना जा रहा है। उनके अलावा इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ी ओलिवर हेलैंडर भी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिन्होंने यहां 2022 में चोपड़ा को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में 89.30 मीटर भाला फेंक कर रजत पदक जीता था। यह उनका तब व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था। उन्होंने उसी वर्ष डायमंड लीग के स्टोकहोम चरण में 89.94 मीटर भाला फेंक कर इसमें सुधार किया था। ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

पेरिस ओलंपिक टीम में यदि मैं चुना गया तो मेरे परिवार के लिए गर्व की बात होगी: जरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के लिए 106 मैच खेलने वाले डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने ब्रेडा में 2018 पुरुष हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में पदार्पण किया, जहां भारत दूसरे स्थान पर रहा। तब से, उन्होंने देश के लिए कई पुरस्कार अर्जित किए हैं, जिसमें मस्कट, ओमान में 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण जीतना और बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतना शामिल है। जरमनप्रीत ने 2023 में हांग्जो में एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीम के साथ स्वर्ण पदक भी जीता। 27 वर्षीय खिलाड़ी हाल ही में एंटवर्प और लंदन में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में शानदार प्रदर्शन करके लौटे हैं, जहाँ उन्हें 24 मई को भारत और बेल्जियम के बीच हुए मैच में अपना 100वाँ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का सम्मान मिला था। 1 जून को जब भारत ने जर्मनी को 3-0 से हराया था, तब उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच भी चुना गया था, जिसमें उनके दाहिने फ़्लैंक पर लगातार खतरे और गुरजंत सिंह को गोल करने में मदद करने वाले एक शानदार असिस्ट के अलावा उनके अथक रक्षात्मक कर्तव्यों का भी योगदान था। अपने हालिया प्रदर्शनों पर जरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ₹एंटवर्प और लंदन में एफआएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के मैच एक अच्छा अनुभव रहे।

तंजीम और मुस्तफिजुर ने बिखेरी चमक

बांग्लादेश सुपर आठ में पहुंचा

किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट)। युवा तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात रन देकर चार विकेट लिए जिससे बांग्लादेश ने बल्लेबाजों की नाकामी के बावजूद नेपाल को 21 रन से हराकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हैरत में डालने वाले नेपाल के गेंदबाजों ने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने बांग्लादेश की टीम को 19.3 ओवर में 106 रन पर आउट कर दिया। इसके जवाब में नेपाल का स्कोर एक समय 5 विकेट पर 78 रन था लेकिन उसने सात रन के अंदर अपने बाकी बचे 5 विकेट गंवा दिए और उसकी पूरी टीम 19.2 ओवर में 85 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश की तरफ से तंजीम ने कसी गेंदबाजी की। उन्होंने अपने चार ओवर में 21 गेंद ऐसी की जिन पर रन नहीं बने। उनके अलावा मुस्तफिजुर रहमान ने सात रन देकर तीन और शाकिब अल हसन ने नौ रन देकर दो विकेट लिए। यह पहला अवसर है जबकि बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में तीन मैच जीते। तंजीम ने शानदार गेंदबाजी करके नेपाल का शीर्ष क्रम झकझोर दिया। नेपाल का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 26 रन था लेकिन कुशल मल्ला (27) और विश्व रिकॉर्ड धारक दीपेंद्र सिंह ऐरी (25) ने छठे विकेट के लिए 52 रन जोड़कर अपनी टीम की उम्मीद जगा दी। मुस्तफिजुर ने कुशल को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद उन्होंने दीपेंद्र को भी आउट किया जिनके नाम पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 9 गेंद पर अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने मैच के बाद कहा,''हमने इस चरण में जिस तरह का प्रदर्शन किया उससे हम काफी खुश हैं। मुझे उम्मीद है कि हम गेंदबाजी में अपना ऐसा ही प्रदर्शन जारी रखेंगे। आशा है अगले दौर में हमारे बल्लेबाज भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'' बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने बेहद लचर प्रदर्शन किया। उसका कोई भी बल्लेबाज 20 रन तक नहीं पहुंच पाया। उसकी तरफ से शाकिब ने सर्वाधिक 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से सोमपाल कामी, संदीप लामिछाने, दीपेंद्र सिंह ऐरी और कप्तान रोहित पौडेल ने दो-दो विकेट लिए। नेपाल के कप्तान पौडेल ने कहा कि अगर उनके बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया होता तो परिणाम उनके अनुकूल रह सकता था। उन्होंने कहा,''हमारे बल्लेबाजों विशेष कर शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए था। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की और हम पर दबाव बना दिया। हमें यह सीखना होगा कि किन क्षेत्रों में रन बनाने हैं। हमें परिस्थितियों से तालमेल बिठाना सीखना होगा।''

बल्लेबाजों की फॉर्म को लेकर चिंतित हूं, पता नहीं ऐसा क्यों हो रहा है: शंटो

किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट)। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो को खुशी है कि उनकी टीम टी20 विश्व कप के सुपर आठ में जगह बनाने में सफल रही लेकिन वह अपने बल्लेबाजों की खराब फॉर्म से निराश हैं और वह यह भी नहीं जानते कि उनके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पा रहे हैं। बांग्लादेश ने नेपाल को 21 रन से हराकर सुपर आठ में जगह बनाई लेकिन उसकी टीम इस मैच में केवल 106 रन पर आउट हो गई थी जो चिंता का विषय है। शंटो ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''हमें खुशी है कि हम सुपर आठ में खेलने जा रहे हैं लेकिन हमारे बल्लेबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। हमारे गेंदबाजों ने हालांकि पिछले तीन-चार मैच में जिस तरह से गेंदबाजी की उससे वास्तव में मैं बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा,''मुझे उम्मीद है कि हमारे गेंदबाज अपनी यह फॉर्म बरकरार रखेंगे। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें उचित रणनीति तैयार करनी होगी ताकि अगले दौर में हमारे बल्लेबाज वापसी कर सकें।

श्रीलंका ने नीदरलैंड को हराकर जीत से अंत किया

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)। श्रीलंका ने आखिर में अपना जलवा दिखाया तथा ग्रुप डी के अपने अंतिम मैच में नीदरलैंड को 83 रन से हराकर टी20 विश्व कप में अपने अभियान का अंत किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद कुसाल मेंडिस (46) और चरिथ असलांका (46) की उपयोगी पारियों की मदद से 6 विकेट पर 201 रन बनाए। नीदरलैंड की टीम इसके जवाब में 16.4 ओवर में 118 रन बनाकर आउट हो गई । श्रीलंका की तरफ से नुवान तुषारा ने 24 रन देकर तीन विकेट जबकि मथीशा पथिराना (12 रन देकर दो) और कप्तान वानिंदु हसरंगा (25 रन देकर दो) ने दो-दो विकेट लिए। श्रीलंका की टीम इस मैच में अच्छी लय में दिखी और उसने खेल के सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी और टीम पहले ही सुपर 8 की दौड़ से बाहर हो गई थी। श्रीलंका के शीर्ष क्रम में मेंडिस ने 29 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके लगाए लेकिन वह मध्यक्रम के बल्लेबाज थे जिन्होंने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज ने 15 गेंद पर नाबाद 30 रन और कप्तान हसरंगा ने 10 गेंद पर नाबाद 20 रन बनाए लेकिन असलांका ने 21 गेंद पर 46 रन की तूफ़ानी पारी खेली जिसमें एक चौका और पांच छक्के शामिल हैं। असलांका ने अपनी पावर हिटिंग का शानदार नमूना पेश किया जिसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। असलांका ने मैच के बाद कहा,''अमेरिका की तुलना में यहां की परिस्थितियों काफी बेहतर थी। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं हो सकता लेकिन हमने परिस्थितियों से अच्छी तरह से तालमेल बिठाया। हम पहले दो मैच के परिणाम से थोड़ा निराश थे लेकिन आखिर में हमने एक अच्छा मैच खेला।'' लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज माइकल लेविट (31) और मैक्स ओ'डॉव (11) ने सिर्फ़ 4.2 ओवर में 45 रन जोड़े लेकिन एक बार यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी टीम कोई संघर्ष नहीं कर पाई। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने 31 रन बनाए लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। एडवर्ड्स ने मैच के बाद कहा,''हमने पूरे टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया तथा तीन मैच में जीत दर्ज करने का मौका गंवाया। बल्लेबाजी में हमें एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत थी जो बड़ी पारी खेले।

हमने अपनी खामियों पर काफी चर्चा कर ली है, अब सुधार करने का समय

ग्रोस आइलेट (सेंट विंसेंट)। श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा का मानना है कि टीम ने बड़े टूर्नामेंटों में बार-बार की गई गलतियों पर व्यापक रूप से चर्चा की है और टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद अब इसे सुधारने पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। हसरंगा ने टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ अपने मैच गंवाने के बाद नीदरलैंड के खिलाफ अपनी टीम को मिली 83 रन की जीत को 'देर से मिली सफलता' करार दिया। श्रीलंका ने ग्रुप डी के अपने आखिरी मैच में छह विकेट पर 201 रन बनाने के बाद नीदरलैंड को 118 रन पर आउट कर दिया। हसरंगा ने मैच के बाद कहा, '' हम हर टूर्नामेंट के बाद एकजुट होते हैं और चर्चा करते हैं कि हमने कई गलतियां की हैं। एक टीम के रूप में, हमें यह तय करना चाहिए कि क्या हमें उन गलतियों को सुधारना है।

अपने ग्रुप में बादशाहत के लिए भिड़ेंगी वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान की टीमें

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)। शानदार प्रदर्शन कर रही अफगानिस्तान और मेजबान वेस्टइंडीज की टीमें मंगलवार को यहां जब आईसीसी टी20 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप चरण मैच में एक-दूसरे से भिड़ेंगे तो उनकी कोशिश इसे जीतकर सुपर आठ चरण से पहले आत्मविश्वास को मजबूत करने की होगी।

ग्रुप सी में दोनों टीमें तीन मैचों में तीन जीत के साथ पहले ही सुपर आठ में पहुंच चुकी हैं और ऐसे में दोनों के लिए यह मुकाबला आत्मविश्वास हासिल करने के नजरिये से अहम है। पापुआ न्यू गिनी पर मुश्किल जीत के साथ शुरुआत करने के बाद वेस्टइंडीज ने युगांडा और न्यूजीलैंड पर प्रभावशाली जीत दर्ज की तो वहीं दूसरी ओर, अफगानिस्तान के अब तक के अभियान में कोई कमजोर कड़ी नहीं दिखी है। राशिद खान की अगुवाई वाली टीम कैरेबियन पिचों और यहां की परिस्थितियों का लुत्फ उठा रही है। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (167) और फजलहक फारुकी (12 विकेट) क्रमशः: सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों और सबसे अधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं जो आईसीसी की इस प्रतियोगिता में अफगानिस्तान के दबदबे को दिखाता है। गुरबाज के अलावा अनुभवी इब्राहिम जदरान ने भी बल्ले से अच्छा योगदान दिया है। उन्होंने एक मैच में 70 रन का योगदान देने के साथ अब तक 114 रन बनाये हैं। अफगानिस्तान की टीम में दायें हाथ के बल्लेबाजों की भरमार है और ऐसे यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम वेस्टइंडीज के अकील होसेन और गुडाकेश मोती जैसे खब्बू स्पिनरों से कैसे निपटती है। अफगानिस्तान को इस विश्व कप में अब अनुभवी मुजीब उर रहमान की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। टीम में हालांकि बेहतरीन स्पिनरों की कोई कमी नहीं है।

कप्तान राशिद खान और युवा नूर अहमद ने पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड के खिलाफ किफायती गेंदबाजी की। 'डैरेन सैमी नेशनल स्टेडियम' की पिच अमेरिका और कैरेबियाई देशों में हो रहे इस टूर्नामेंट की सबसे अच्छी पिचों में से एक है। यहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही है। यहां खेले गये मैच बड़े स्कोर वाले रहे हैं और रविवार को श्रीलंका ने भी यहां 200 से अधिक रन बनाये थे। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने अभी तक टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन यहां की परिस्थितिया उन्हें रास आयेंगी और वे लय हासिल करने लिए आतुर होंगे।

इस प्रकार है टीम

अफगानिस्तानः राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, हजरतुल्लाह जजई, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

वेस्टइंडीजः रोवमैन पॉवेल (कप्तान), ब्रैंडन किंग, जॉनसन चार्ल्स, निकोलस पूरन (विकेट कीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफर्ड, रोस्टन चेस, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, गुडाकेश मोटी, ओबेद मैककॉय, शमर जोसेफ, शिमरॉन हेटमायर और शाई होप।

मैच भारतीय समयानुसार सुबह छह बजे से होगा।

पंड्या और पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू: हरभजन

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पंड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं।

भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया था। हरभजन ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, '' टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पंड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।'' विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पंड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की। पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गये थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की।

टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। हरभजन ने कहा, '' पंड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे। '' हरभजन ने कहा, '' पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है।

भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।''

संक्षिप्त खबरें

वेदांता की 10 अरब डॉलर की पूर्व आय हासिल करने की योजना

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता समूह की निकट भविष्य में 10 अरब अमेरिकी डॉलर की कर पूर्व आय हासिल करने के लक्ष्य को 50 से अधिक उच्च प्रभाव वाली वृद्धि परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से बल मिलेगा। इनमें जस्ता, एल्युमीनियम, तेल एवं गैस तथा बिजली कारोबार शामिल हैं। वेदांता समूह द्वारा आयोजित 'साइट विजिट' पर आए 45 से अधिक कोष प्रबंधकों और विश्लेषकों के समक्ष प्रस्तुत की गई 'पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन' के अनुसार ये परियोजनाएं पूरी होने के अग्रिम चरण में हैं। इस प्रस्तुति के अनुसार वेदांता समूह इन मौजूदा वृद्धि परियोजनाओं में करीब आठ अरब डॉलर निवेश कर रहा है। कंपनी की इस वर्ष के अंत तक सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद पांच अतिरिक्त संस्थाओं को बाजार में सूचीबद्ध करने की भी योजना है।

सुजलॉन के गिरीश तांती GWEC India के प्रमुख बने

नई दिल्ली। सुजलॉन के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती को ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल (जीडब्ल्यूईसी) इंडिया का प्रमुख चुना गया है। निकाय ने एक बयान में कहा कि उन्हें अप्रैल में जीडब्ल्यूईसी का उप-प्रमुख चुना गया था। बयान के मुताबिक, यह पद राष्ट्रीय और राज्य सरकारों के साथ जीडब्ल्यूईसी इंडिया के काम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीडब्ल्यूईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बेन बैकवेल ने कहा कि भारत में तटीय पवन ऊर्जा, अपतीय पवन ऊर्जा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला केंद्र के रूप में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि निकाय राष्ट्रीय और राज्य सरकारों, प्रमुख क्षेत्रीय हितधारकों और वैश्विक पवन उद्योग के साथ अपने काम को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। बेल्जियम स्थित जीडब्ल्यूईसी में 80 से अधिक देशों की 1,500 से अधिक कंपनियां, संगठन और संस्थान शामिल हैं।

ग्रीनर रिन्यूएबल गुजरात में 220 करोड़ रुपये के निवेश से बायोगैस संयंत्र लगाएगी

नई दिल्ली। ग्रीनर रिन्यूएबल एनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह गुजरात में 220 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक संपीडित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र लगाएगी। कंपनी ने बयान में कहा कि गुजरात के नवसारी में लगने वाले सीबीजी संयंत्र से किफायती कच्चे माल का उपयोग करके प्रतिदिन 44 टन बायोगैस (टीपीडी) का उत्पादन होने की उम्मीद है। यह सालाना 16,000 टन से अधिक बायोगैस के उत्पादन के बराबर है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सक्रिय कंपनी ने कहा कि इस संयंत्र में कच्चे माल के तौर पर धान, चीनी कारखाने से निकलने वाले अवशिष्ट (प्रेसमड), पेराई के बाद गन्ने का सूखा हुआ अवशिष्ट (खोई) और शहरी क्षेत्र से निकलने वाले ठोस अवशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) का इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि एक प्रमुख कारोबारी समूह के साथ मिलकर हम गुजरात के नवसारी में एशिया का सबसे बड़ा संपीडित बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस संयंत्र की अनुमानित लागत लगभग 220 करोड़ रुपये है। ग्रीनर रिन्यूएबल एनर्जी के संस्थापक और सीईओ उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि नवसारी जैसे सीबीजी संयंत्रों की स्थापना से देश के कच्चे तेल के आयात बिल में उल्लेखनीय कमी आएगी। इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की दिशा में मदद मिलेगी।

ल्यूपिन ने अब्देलअजीज तौमी को नवगठित शाखा का सीईओ किया नियुक्त

नई दिल्ली। दवा कंपनी ल्यूपिन लिमिटेड ने अब्देलअजीज तौमी को अपनी नवगठित अनुषंगी कंपनी ल्यूपिन मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंसका मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। ल्यूपिन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तौमी एक अनुभवी पेशेवर हैं। उनके पास यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया में बायोटेक, औषधि और सीडीएमओ क्षेत्रों में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। ल्यूपिन के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा कि वह एपीआई, सीडीएमओ क्षेत्र में प्रचुर ज्ञान और अनुभव लेकर आएंगे तथा एलएमएस को हमारे वैश्विक ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय तथा पसंदीदा भागीदार के रूप में स्थापित करने में मदद करेंगे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया ऐलान

घरेलू बिजली कनेक्शन पर नहीं लगेगा न्यूनतम मासिक शुल्क

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम मासिक शुल्क को खत्म कर दिया गया है और अब बिजली का बिल सिर्फ खपत हुई यूनिट के आधार पर बनाया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया कि इस फैसले के बाद हरियाणा के लोगों को सिर्फ उस बिजली का ही बिल मिलेगा, जितनी यूनिट की वे खपत करेंगे। बयान के मुताबिक इस फैसले के बाद अब हरियाणा के लोगों को खपत की गई बिजली के आधार पर ही बिल मिलेगा। इससे बिजली उपभोक्ताओं को बेहद जरूरी राहत मिल पाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत अंबाला में अतिरिक्त सब्सिडी योजना की शुरुआत करते हुए यह घोषणा की। इस योजना के तहत गरीब परिवारों को छत पर सौर इकाई लगाने के लिए केंद्र सरकार 60,000 रुपये सब्सिडी देगी। यह सब्सिडी

उन परिवारों को ही मिलेगी जिनकी सालाना आय 1.80 लाख रुपये से कम है।

सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार भी इन परिवारों को अपनी तरफ से 50,000 रुपये की सब्सिडी देगी। इस तरह गरीब परिवारों को छत पर सौर बिजली इकाई लगाने के लिए अपनी तरफ से कोई भी राशि नहीं देनी होगी। एक सौर इकाई लगाने पर 1.10 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि 1.80 लाख से तीन लाख रुपये की सालाना आय वाले परिवारों को भी केंद्र से 60,000 रुपये और राज्य सरकार से 20,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने हिसार के खेदर में स्थित राजीव गांधी ताप विद्युत संयंत्र में 7,250 करोड़ रुपये की लागत से 800 मेगावाट की एक अतिरिक्त अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई लगाए जाने की घोषणा की।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से सामान लेने, डिजी यात्रा सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हुईं: डायल

मुंबई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने कहा कि सोमवार को दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सामान लेने और डिजी यात्रा सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हुईं। डायल ने कहा कि बिजली ग्रिड आपूर्तिकर्ता से वोल्टेज असंतुलन के कारण ऐसा हुआ। डायल ने यह भी कहा कि उसने जरूरी सेवाओं को बनाए रखने के लिए सभी टर्मिनल को डीजल जनरेटर (डीजी) लोड पर कर दिया है। हवाई अड्डा परिचालक कंपनी के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि सोमवार दोपहर करीब दो बजे, दिल्ली हवाई अड्डे के मुख्य रिसीविंग सब-स्टेशन (एमआरएसएस) को ग्रिड पर वोल्टेज के असंतुलन का पता चला, जो कथित तौर पर 765 केवी लाइन के ट्रिप होने के कारण हुआ। बयान के मुताबिक, दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड ग्रिड से इस वोल्टेज असंतुलन ने सभी आईजीआई टर्मिनलों को कुछ समय के लिए प्रभावित किया, जिससे सामान लेने और ई-गेट सेवाएं प्रभावित हुईं।इ प्रवक्ता ने कहा कि दोपहर तीन बजे तक ग्रिड वोल्टेज स्थिर हो गया था।

भारत के पास यूरोपीय संघ के उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का विकल्प है : अधिकारी

नई दिल्ली। भारत के पास यूरोपीय संघ (ईयू) से एक निश्चित मूल्य के आयातित सामान पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) मानदंडों के तहत जवाबी सीमा शुल्क लगाने का विकल्प है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि दोनों पक्ष कुछ इस्पात उत्पादों पर यूरोपीय संघ के रक्षोपाय (सेफगार्ड) उपायों को लेकर आम सहमति तक पहुंचने में विफल रहे हैं।

यूरोपीय संघ ने कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर रक्षोपाय शुल्क को 2026 तक दो साल के लिए बढ़ा दिया है। यह पहले इस महीने समाप्त होने वाला था। यह ऐसे उपायों का दूसरा विस्तार है, जिसे पहली बार 2018 में लगाया गया था। यह टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) का रूप है। भारत इस उपाय से प्रभावित देशों में शामिल है, क्योंकि यूरोपीय संघ को इस्पात निर्यात में इसकी पर्याप्त रुचि है। भारत ने अन्य देशों के साथ मिलकर पहले भी विश्व व्यापार संगठन में यूरोपीय संघ के कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर सुरक्षा शुल्क को 2026 तक बढ़ाने के कदम पर चिंता जताई है। भारत ने इस बारे में अपनी चिंताओं से यूरोपीय संघ को अवगत कराया है। अधिकारी ने कहा कि संबंधित उत्पादों के निर्यातक के रूप में भारत की पर्याप्त रुचि है। यूरोपीय संघ का उपाय वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है। भारत और यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में इस मुद्दे पर द्विपक्षीय वार्ता की थी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच आम सहमति नहीं बन सकी। अधिकारी ने कहा कि ऐसे में भारत के पास यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं के कुछ मूल्य पर डब्ल्यूटीओ मानदंडों के तहत जवाबी सीमा शुल्क लगाने का विकल्प है। इस संबंध में वाणिज्य मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय विचार-विमर्श कर रहे हैं।

अडाणी समूह भूटान में लगाएगा 570 मेगावट का हरित जलविद्युत संयंत्र

नई दिल्ली। अडाणी सूमह भूटान में 570 मेगावाट का हरित जलविद्युत संयंत्र लगाएगा। समूह के चेयमैन गौतम अडाणी ने 16 जून को थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से मुलाकात की है। इस मुलाकात के उन्होंने भूटान के चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

गौतम अडाणी ने एक्स पर जारी बयान में कहा है कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ मुलाकात बहुत ही रोमांचक रही।

चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हरित जलविद्युत संयंत्र के लिए ड्रक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भूटान के प्रधानमंत्री राजा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल कर रहे हैं। अडाणी ने लिखा है कि भूटान में हाइड्रो और अन्य बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। कार्बन नेगेटिव नेशन के लिए इन पहलों और ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं।

गौरतलब है कि पिछले महीने श्रीलंका की सरकार ने गौतम अडाणी की अगुवाई वाली रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी थी।

हुंदै की भविष्य में 4 ईवी मॉडल उतारने की योजना मार्च तिमाही में आएगा क्रेटा का ईवी संस्करण

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने आने वाले समय में चार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल उतारने की योजना बनाई है जिनमें लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा का बिजलीचालित संस्करण भी शामिल होगा। हुंदै मोटर इंडिया ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की मंजूरी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दायर दस्तावेजों के मसौदे में यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की चौथी ति मा ही में ही कंपनी क्रेटा का ईवी संस्करण लेकर आ सकती है। दस्तावेजों के मसौदे के मुताबिक, ईवी मॉडल को पेट्रोल एवं डीजल की तुलना में प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए ईवी के अधिकतम कलपुर्जों का उत्पादन स्थानीय स्तर पर करने की योजना है। इनमें बैटरी और इंजन के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण भी शामिल होंगे। इसके अलावा ईवी की आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीय स्तर पर तैयार करने की भी योजना है।

कंपनी ने कहा कि हमने महंगी प्रीमियम ईवी के साथ बदलाव की रणनीति पर चलना शुरू किया है और आने वाले समय में व्यापक बाजार के लिए मॉडल उतारे जाएंगे। इस रणनीति के तहत भविष्य में हमारा चार ईवी मॉडल लेकर आने का इरादा है जिनमें जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में क्रेटा का ईवी मॉडल भी शामिल है। हुंदै मोटर ने कहा है कि वह भारत में बाजार मांग के अनुरूप ईवी मॉडल को उतारने की रणनीति पर चल रही है ताकि प्रत्येक मूल्य वर्ग में उसके बिजलीचालित मॉडल मौजूद हों। कंपनी ने कहा कि ईवी विनिर्माण के अलावा हम चार्जिंग स्टेशन बनाकर भारत में ईवी ढांचे को भी खड़ा करना चाहते हैं। मार्च, 2024 तक हमने भारत में 11 फास्ट चार्जिंग स्टेशन खड़े किए हैं। हम शहरों के भीतर और राजमार्गों पर चार्जिंग स्टेशन लगाकर देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति आकर्षण जगाना चाहते हैं।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने पिछले सप्ताह आईपीओ की मंजूरी के लिए सेबी के समक्ष शुरुआती दस्तावेज जमा किए हैं। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो यह भारत में एलआईसी से भी बड़ा आईपीओ साबित होगा। एलआईसी वर्ष 2022 में 21,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी।

डुर्लैक्स टॉप सरफेस IPO के जरिए जुटाएगी 40.80 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। डुर्लैक्स टॉप सरफेस ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 40.80 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। सॉलिड सरफेस के कारोबार से जुड़ी कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है। बयान के अनुसार, आईपीओ 19 जून को खुलेगा और 21 जून को बंद होगा। इसमें 28.56 करोड़ रुपये तक के 42 लाख ताजा शेयर और 12.24 करोड़ रुपये तक के 18 लाख शेयर की बिक्री पेशकश शामिल है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 65-68 रुपये प्रति शेयर तय किया है। गुजरात स्थित कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 90.84 करोड़ रुपये का राजस्व और 5.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

भीषण गर्मी से डीजल की मांग घटी, जून में बिक्री में चार प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। देश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण यात्रा में कमी आने से जून में डीजल की मांग में गिरावट आई है। ईंधन की बिक्री, जो परंपरागत रूप से चुनाव के दौरान बढ़ जाती है, इस वर्ष प्रवृत्ति के विपरीत रही है तथा मासिक आधार पर इसमें गिरावट आ रही है। यह गिरावट अब आम चुनाव के समाप्त होने के बाद भी जारी है। डीजल की बिक्री एक से 15 जून के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 39.5 लाख टन रह गई है।

देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन की मांग में अप्रैल में 2.3 प्रतिशत और मार्च में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी। मई में इसमें 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई थी। चुनाव प्रचार के अलावा, गर्मी की फसल कटाई के मौसम तथा चिलचिलाती गर्मी के कारण

कारों में एयर कंडीशनिंग की मांग बढ़ जाती है, जिससे ईंधन की खपत बढ़नी चाहिए थी। हालांकि इस साल यह रुझान उलट गया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मार्च के मध्य में दो रुपये प्रति लीटर की कमी की गई, जिससे दरों में संशोधन का करीब दो साल लंबा अंतराल समाप्त हो गया, जिससे बिक्री में भी तेजी आनी चाहिए थी। पेट्रोल की बिक्री एक से 15 मई के दौरान 14.7 लाख टन खपत की तुलना में मासिक आधार पर 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई। मई के पहले पखवाड़े में 35.4 लाख टन के मुकाबले डीजल की मांग मासिक आधार पर स्थिर रही।

डीजल भारत में सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है, जो सभी पेट्रोलियम उत्पादों की खपत का लगभग 40 प्रतिशत है। देश में कुल डीजल बिक्री में परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। यह हार्वेस्टर और ट्रैक्टर सहित कृषि क्षेत्रों में उपयोग किया जाने वाला प्रमुख ईंधन है। विमान ईंधन की मांग एक से 15 जून 2024 के बीच सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़कर 331,000 टन हो गई। रसोई गैस एलपीजी की मांग एक से 15 जून के दौरान की सालाना आधार पर 0.1 प्रतिशत बढ़कर 12.4 लाख टन हो गई।

रिजर्व बैंक ने गाजीपुर स्थित पूर्वांचल सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित पूर्वांचल सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि पूर्वांचल सहकारी बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने को कहा गया है। परिसमापन के तहत प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल पांच लाख रुपये तक की अपनी जमा राशि पाने का हकदार होगा। आरबीआई ने कहा कि पूर्वांचल सहकारी बैंक के आंकड़ों के अनुसार लगभग 99.51 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी पूरी जमा राशि पाने के हकदार हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि सहकारी बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूरा भुगतान करने में असमर्थ है। आरबीआई ने कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। अगर बैंक को आगे भी बैंकिंग कारोबार जारी रखने की अनुमति दी गई तो इससे जनहित पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

SBI को चालू वित्त वर्ष में 14-15% ऋण वृद्धि की उम्मीद: चेयरमैन

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा कि मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर को देखते हुए चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 14-15 प्रतिशत ऋण वृद्धि की उम्मीद है।

खारा ने कहा कि आम तौर पर हम इसे जीडीपी वृद्धि दर और मुद्रास्फीति तथा उसके ऊपर दो से तीन प्रतिशत के योग के आधार पर देखते हैं। इससे हमें करीब 14 प्रतिशत या उसके आसपास का आंकड़ा मिलता है। उन्होंने कहा कि अतः 14-15 प्रतिशत ऋण वृद्धि, ऋण देने के लिए उपलब्ध अवसरों पर निर्भर करती है। यह हमारी जोखिम क्षमता को पूरा करती है। हमें इस गति से वृद्धि करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जहां तक जमाराशि का सवाल है, पिछले साल इसमें 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि हमारे पास अतिरिक्त एसएलआर के मामले में कुछ गुंजाइश है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारे ऋण-से-जमा अनुपात को सहारा देने के लिए जमा दरें बढ़ाने का हम पर कोई दबाव नहीं है। बैंक का अतिरिक्त वैधानिक तरलता अनुपात साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से चार लाख करोड़ रुपये के बीच है।

साथ ही उन्होंने कहा कि जहां तक गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) का सवाल है कि हमें शुद्ध और सकल दोनों के लिए नीचे की ओर जाना चाहिए। हालांकि, कोई भी अनुमान लगाना बहुत कठिन है क्योंकि यह वृहद अर्थव्यवस्था पर भी निर्भर है। बैंक अपने बहीखाते को वृहद तनाव से बचाने की कोशिश कर रहा है, फिर भी एनपीए पर किसी भी तरह का मार्गदर्शन देना मुश्किल है।

यूएई से 2023-24 में सोना, चांदी का आयात 210% बढ़ा, FTA में शुल्क संशोधन की जरूरत: GTRI

नई दिल्ली। भारत का अपने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो गया है। इस उछाल को कम करने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में संभावित रूप से संशोधन करने की आवश्यकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, सोने और चांदी के आयात में यह तीव्र वृद्धि मुख्य रूप से भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत द्वारा यूएई को दी गई आयात शुल्क रियायतों से मुमकीन हो पाई है।

जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है। सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अतिरिक्त

भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के जरिए निजी कंपनियों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा देता है। पहले केवल अधिकृत एजेंसियां ही ऐसे आयातों को संभाल सकती थीं।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत का यूएई से कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 53.2 अरब अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि सोने तथा चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 अरब अमरीकी डॉलर से 10.7 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। शेष सभी उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 49.7 अरब अमरीकी डॉलर से 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 37.3 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यूएई से सोने और चांदी का मौजूदा आयात टिकाऊ नहीं है, क्योंकि यूएई सोने या चांदी का खनन नहीं करता है या आयात में पर्याप्त मूल्य नहीं जोड़ता है। श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में सोने, चांदी और आभूषणों पर 15 प्रतिशत का उच्च आयात शुल्क समस्या की जड़ है। शुल्क को घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करें। इससे बड़े पैमाने पर तस्करी और अन्य दुरुपयोग में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि भारत में सोने, चांदी और हीरे के व्यापार का दुरुपयोग होने की संभावना है, क्योंकि इनकी मात्रा कम है, लेकिन कीमत अधिक है और आयात शुल्क भी अधिक है। श्रीवास्तव ने कहा कि सोने, चांदी के कम शुल्क आयात से केवल कुछ आयातकों को ही लाभ होता है, जो 'टैरिफ आर्बिट्रेज' के जरिए होने वाले सभी मुनाफे को अपने पास रख लेते हैं और इसे कभी भी उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाते।

अमूल ने आइसक्रीम से कनखजूरा मिलने की शिकायत के बाद जांच के लिए शिकायतकर्ता से उत्पाद वापस मांगा

नई दिल्ली। अमूल ने नोएडा में एक महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का सोमवार को अनुरोध किया ताकि उसकी गहन जांच की जा सके। महिला ने दावा किया था कि उसे आइसक्रीम से कनखजूरा मिला है। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह भारत और वैश्विक बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसने एक 'इंस्टेंट डिलीवरी ऐप' के जरिए आइसक्रीम मंगवाई थी जिसके अंदर उसे एक कनखजूरा मिला है।

अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघने नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया। नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अमूल ने एक बयान में कहा कि उसने सोशल मीडिया पर मिली शिकायत पर तुरंत गौर किया। बयान में कहा गया कि इस घटना के कारण उन्हें हुई असुविधा के लिए हमें बेहद खेद है। अमूल ने कहा कि उसके दल ने ग्राहक से संपर्क किया और उसी दिन (15 जून) रात साढ़े नौ बजे के बाद उससे मुलाकात की। बयान के अनुसार कि ग्राहक के साथ हमारी बैठक के दौरान, हमने ग्राहक से जांच के लिए उक्त आइसक्रीम टब उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, दुर्भाग्य से ग्राहक ने इसे सौंपने से इनकार कर दिया। जब तक ग्राहक से शिकायत वाला उत्पाद वापस नहीं मिल जाता तब तक हमारे लिए मामले की जांच करना मुश्किल होगा और इसलिए इस मुद्दे पर हम कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे बातचीत के दौरान, ग्राहक को अमूल के अत्याधुनिक आईएसओ-प्रमाणित संयंत्रों के बारे में जानकारी दी गई।

साथ ही आश्वासन दिया गया कि ग्राहकों तक बिक्री के लिए पहुंचने से पहले उत्पाद कई कठोर गुणवत्ता जांचों से गुजरते हैं। सहकारी संगठन ने ग्राहक से गहन जांच के लिए आइसक्रीम टब वापस करने का अनुरोध किया। अमूल ने कहा कि ग्राहक से उत्पाद मिलने के बाद, हम सभी पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच करेंगे और निष्कर्षों के साथ फिर से अपने ग्राहकों के पास लौटेंगे।

एयर इंडिया ने की यात्री के खाने में ब्लेड जैसी धातु मिलने की घटना की पुष्टि

इस्लामाबाद। एयर इंडिया के एक यात्री को बेंगलुरू-सैन फ्रांसिस्को उड़ान के दौरान भोजन में कथित तौर पर ब्लेड जैसी धातु का टुकड़ा मिलने की घटना के एक सप्ताह बाद एयरलाइन ने सोमवार को खाने में 'ऐसी वस्तु' होने की पुष्टि की है, जो भोजन का हिस्सा नहीं थी।

एयरलाइन ने बयान में कहा कि यह वस्तु उसके खानपान साझेदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से आई थी। एयर इंडिया के मुख्य उपभोक्ता अनुभव अधिकारी राजेश डोगरा ने बयान में कहा कि एयरलाइन इस बात की पुष्टि करती है कि हमारे एक विमान में सवार यात्री के भोजन में कोई ऐसी वस्तु पाई गई जो भोजन का हिस्सा नहीं थी। जांच के बाद पता चला कि यह वस्तु हमारे खानपान साझेदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से उसमें आई। यात्री के सोशल

मीडिया मंच 'एक्स' पर भोजन में 'ब्लेड' जैसी धातु की वस्तु होने की जानकारी साझा करने के बाद एयरलाइन ने जांच शुरू की। यात्री मैथर्स पॉल पेशे से एक पत्रकार हैं।

उन्होंने कहा कि एयर इंडिया का खाना चाकू की तरह काट सकता है। भुने हुए शकरकंद और अंजीर चाट में एक धातु का टुकड़ा छिपा हुआ था जो 'ब्लेड' जैसा दिख रहा था। मुझे इसका अहसास कुछ सेकंड तक खाने को चबाने के बाद ही हुआ। शुक्र है कि कोई नुकसान नहीं हुआ।" पॉल ने एयर इंडिया की खानपान सेवा को दोषी ठहराया और कहा, " यह घटना एयर इंडिया के लिए ठीक नहीं है अगर किसी बच्चे को यह धातु वाला खाना परोसा गया होता?" डोगरा ने कहा कि एयरलाइन ने अपने खानपान साझेदार के साथ मिलकर कई कदम उठाए है ताकि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी कोई घटना भविष्य में दोबारा न हो। सब्जी प्रसंस्करण मशीन की अधिक बार जांच करना, खासकर किसी भी ठोस सब्जी को काटने के बाद जांच करना इसमें शामिल है।

'आलिया जल्द ही फिल्म 'जिगरा' में नजर आएंगी

लेखिका बनीं अभिनेत्री आलिया भट्ट

आलिया भट्ट बॉलीवुड में अग्रणी अभिनेत्री के रूप में जानी जाती हैं। आलिया बहुत ही कम उम्र में बॉलीवुड में टॉप हीरोइन के तौर पर नाम कमाया। आलिया ने निर्माता के रूप में काम संभाला है। बेहतरीन कामों से अभिनय के शिखर पर पहुंचने वाली आलिया ने अब साहित्य की दुनिया में कदम रखा है। आलिया ने अपनी किताब लॉन्च की है। इस किताब का नाम 'एड फाइंड्स ए होम' है। बुक लॉन्च इवेंट में आलिया ने अपनी नई किताब के बारे में बात की। आलिया ने कहा, किताब का मुख्य किरदार एड है। इसके अलावा किताब में आलिया नाम की एक छोटी लड़की भी है लेकिन उसका नाम असल में मामा है। किताब की कहानी एड और आलिया नाम के कुत्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। आलिया के पास सुपरपावर है और एड से बात कर सकते हैं।‍ ऐसे में आलिया ने खासतौर पर बच्चों के लिए यह किताब निकाली है। आलिया ने खुद की लिखी इस खास किताब को लॉन्च कर साहित्य जगत में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश शुरू कर दी है। आलिया ने पिछले साल रिलीज हुई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में काम किया और एक और सुपरहिट फिल्म दी। आलिया जल्द ही फिल्म 'जिगरा' में नजर आएंगी। माना जा रहा है कि इस फिल्म में आलिया एक पत्रकार की भूमिका निभाएंगी।

सूर्या की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे सन्नी देओल

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो सन्नी देओल अपनी आने वाली फिल्म सूर्या की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। सन्नी देओल ने हाल ही में 'बॉर्डर 2' अनाउंस की है। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। सन्नी देओल की अब एक और फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। सन्नी की इस फिल्म का नाम है 'सूर्या' है ,जो वर्ष 2018 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'जोसेफ' का रीमेक है। सन्नी देओल ने वर्ष 2022 में फिल्म सूर्या का काम शुरू किया था, लेकिन काम खत्म नहीं हो पाया था. लेकिन अब इस फिल्म का काम एक बार फिर से शुरू होने वाला है। कहा जा रहा है कि सन्नी देओल फिर से फिल्म सूर्या की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने ईद-उल-अजहा की दी शुभकामनाएं

कहा- आपकी प्रार्थना कबूल हो

मुंबई। बकरीद मुस्लिम समाज के लिए सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। इस मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने फैंस को ईद-उल-अजहा की हार्दिक बधाई दी और कामना की कि सभी की कुर्बानियों की सराहना की जाए और प्रार्थनाएं कबूल हो। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्टकार्ड शेयर किया। इस कार्ड में आधा चांद और एक मैसेज लिखा है, ‍ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं... इस मौके पर मैं कामना करती हूं कि आपकी कुर्बानियों की सराहना की जाए और आपकी प्रार्थनाएं कबूल हों। बकरीद मुबारक हो!‍ एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट में एक लाल दिल वाला इमोजी भी शामिल किया। इससे पहले प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर मां मधु चोपड़ा के बर्थडे सेलिब्रेशन की कई फोटो शेयर की थी। साथ ही विश करते हुए कैप्शन में लिखा- मैजिकल वुमेन को हैप्पी बर्थडे... हमारे साथ अपना आशीर्वाद बनाए रखने के लिए धन्यवाद... हमें खुद का बेस्ट वर्जन बनने में मदद करने के लिए धन्यवाद, हमारी लीडर, मेरी मां, जन्मदिन मुबारक हो।" फोटो में बेटी मालती मैरी नानी की गोद में बैठ केक कट करवाती नजर आ रही है। बता दें कि प्रियंका की मां मधु चोपड़ा पेशे से डॉक्टर हैं। पर्सनल फ्रंट की बात करें तो, प्रियंका ने अमेरिकी सिंगर और एक्टर निक जोनस से दिसंबर 2018 में शादी की थी और जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी पहली बेटी मालती मैरी का स्वागत किया। वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो, प्रियंका को पिछली बार 2023 की अमेरिकी रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा 'लव अगेन' में देखा गया था। इसमें सैम ह्यूगन और सेलीन डायोन ने लीड रोल में थे। उन्होंने मार्क लिनफील्ड, वैनेसा बर्लोविट्ज और रॉब सुलिवन द्वारा निर्देशित वाइल्डलाइफ डॉक्यूमेंट्री 'टाइगर' में आवाज दी। वह मादा टाइगर 'अंबर' की आवाज बनी हैं।

नशे की लत छोड़ने के लिए अपनाएं घरेलू उपाय

आज का दौर फैशन का दौर है। जिसमें कोई भी युवा पीछे नहीं रहना चाहता है। फिर वह चाहे ड्रेस की बात हो या फिर रहन-सहन की बात हो। इन्हीं में फैशन में शराब का सेवन करना आम बात हो गई है। छोटी सी पार्टी हो उसमें ड्रिंक न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। जौसे इसके बिना पार्टी नहीं हो सकती है, लेकिन अगर ये चीज आदत में पड़ जाए तो आपके लिए नुकसानदायक हो सकती है। शुरुआत में तो ये बहुत ही अच्छा लगता है, लेकिन धीरे- धीरे ये आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो जाता है। लेकिन जब आप इसे छोड़ना चाहते है तो आप इसे छोड़ पाने में असफल होते है। आपको कई समस्याओं का सामना करना पडता है। आप इस लत से छुटकारा भी पा सकते है, बस आपके पास थोडी सी इच्छी शक्ति होना चाहिए। जो लोग नशा करते है। उन्हे लगता है कि अगर वह छोड़ देगे तो उनका जीवन खत्म हो जाएगा। जबकि यह बिल्कुल गलत है। जो लोग नशा करते है उसे छोड़ने में आप कही ज्यादा संतुष्ट, स्वस्थ और खुश रहेगे। इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में थोड़ा बदलाव लाना होगा। जब कोई व्यक्ति किसी चीज को छोड़ता है तब उसके पीछे जरुर भागता है। अगर वह उस समय खुद को संभाल ले, तो आप उस चीज से दूरी बनी सकते है। इसी तरह नशे के साथ होता है जब आप इसे छोड़ने की कोशिश करते है तो आपको इसे पाने की तीव्र लालसा होती है। लेकिन अगर आप किसी को इस आदत से बचाना चाहते हैं तो इस स्थिति से निपटने के लिए खुद को मजबूत बनाएं साथ ही इन घरेलू उपाय को ट्राई करें।

अदरक

यह नशा छोड़ने के बाद होने वाले दर्द को दूर करने के लिए अदरक मददगार होता है। दिन में कई बार अदरक की चाय पीने से काफी मदद मिलती हैं। पानी के एक कप में अदरक का टुकड़ा कुचलकर और उबालकर लें। इससे आपको नशे की ललसा खत्म हो जाएगी।

नींबू

नींबू में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। यह एक ऐसा पोषक तत्व है जो कि आपके शरीर में नेचुरल तरीके से डिटॉक्सट करने और प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेरजित करने में मदद करता है। अगर आप चाहते है कि आपको नशे से राहत मिले को इसके लिए आप सुबह 3 से 4 ताजे नींबू का रस निकालकर खाली पेट इसका सेवन करें। इसका सेवन करने से विषाक्तत पदार्थों, अतिरिक्त फैट और मिनरल अपशिष्टि को शरीर से प्रभावी रूप से दूर कर सकते हैं।

शरीर को डिटॉक्सट करें पानी

पानी में कई प्रकार के डिटॉक्सीपफाइंग गुण होते हैं, जो कि मादक पदार्थों को छोड़ने में आपकी मदद करता है। इसलिए एक दिन में कम से कम 4 लीटर पानी जरुर पिएं। पानी में नेचुरल रुप से डिटॉक्स पाया जाता है जो शरीर में जाकर आपको मादक पदार्थो से दूर ररखने में मदद करेगा।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते है। जो कि मादक पदार्थो से दूर रहने में आपकी मदद कर सकता है। इसके साथ ही इसका सेवन करने आपको कई समस्याओं से भी निजात मिल जाएगा। जैसे डायरिया, पेचिश और मतली से राहत देने में मदद करती है। इसलिए रोजाना कम से कम 4 से 5 कप इस चाय को पीने से नशे छुड़ाने में मदद मिल सकती हैं।

मेथी के बीज

आमतौर में इसका इस्तेमाल खाना बनाने में किया जाता है। लेकिन यह सौंदर्य के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। यह आपको मादक पदार्थो के सेवन से भी बचा सकती है। इसके लिए एक लीटर पानी में एक मुट्ठी मेथी के बीज को उबालकर उसे थोड़ा ठंडा करके पिलाए या मेथी के बीज का पेस्टि बनाकर इसे रात को पानी में भिगो दें और सुबह इसे खाली पेट खाइए। इसके सेवन से आपको मादक पदार्थो से तो निजात मिल गी जाएगा। साथ ही मतली जैसी समस्याओं से भी निजात मिल जाएगा।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी।

वृषभ राशि :- परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

मिथुन राशि :-सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे-संबंधियों से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कर्क राशि :-नौकरी में स्थान परिवर्तन और वेतन वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगति के नए द्वार खुलेंगे।

सिंह राशि :-आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि :- कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा।

तुला राशि :-क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं।

वृश्चिक राशि :- नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है।

धनु राशि :- व्यापार-धंधे में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, जिससे मन व्यथित हो सकता है।

मकर राशि :-भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं।

कुम्भ राशि :- परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है।

मीन राशि :-स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

गाजियाबाद कमिश्नरेट को अभूतपूर्व सौगात हैं आईपीएस अजय मिश्रा

त्योहारों से लेकर चुनाव तक बिना किसी घटना के हुए संपन्न हर अपराध दर्ज, फिर भी कम हो रहा क्राइम ग्राफ

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। एक समय था जब गाजियाबाद में संगठित अपराध चरम पर था। लूट, डकैती, रोड होल्डअप, हत्या और फिरौती के लिए अपहरण जैसी घटनाएं गाजियाबाद में आए दिन होती रहती थीं। एक समय में मुजफ्फरनगर के बाद गाजियाबाद को देश की क्राइम कैपिटल का भी दर्जा मिल गया था। समय बदला राजनीतिक, प्रशासनिक और भौगोलिक बदलाव होने शुरू हुए तो क्राइम का ग्राफ जिले में कम होने लगा। एक समय ऐसा भी आया जब पुलिस क्राइम ग्राफ को कम दिखाने के लिए घटनाओं की रिपोर्ट तक दर्ज नहीं करती थी। गाजियाबाद से नोएडा और हापुड़ अलग हुए तो इस इस जिले में क्राइम ग्राफ भी कम हो गया। गाजियाबाद राजनीतिक तौर पर समृद्ध होता गया और देखते-देखते गाजियाबाद को कमिश्नरेट के तब्दील कर दिया गया। गाजियाबाद कमिश्नरेट के पहले पुलिस कमिश्नर बने 2003 बैच के ईमानदार और दबंग छवि वाले आईपीएस अधिकारी अजय मिश्रा।

इसे गाजियाबाद के लिए एक तोहफा ही कहा जाएगा कि कमिश्नरेट बनने पर पहले पुलिस कमिश्नर के रूप में अजय मिश्रा की यहां तैनाती की गई। अजय मिश्रा जैसा सुलझा हुआ और किसी तरह का दबाव नहीं मानने वाला अधिकारी गाजियाबाद को पहले कभी नहीं मिला और शायद आगे भी कभी ही मिल पाए। राजनीति, रेवेन्यू, क्राइम और राजनीतिक भौकाल से भरे इस जिले में

- महिला, बाल अपराध को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति
- शहर में सुगम हुआ यातायात, लोग कर रहे नियमों का पालन
- अजय मिश्रा की ईमानदार और दबंग कार्यशैली ने गाजियाबाद में किए कई बड़े बदलाव

क्राइम कंट्रोल को लेकर पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा के प्रयास सफल हो रहे हैं।

प्रत्येक घटना की रिपोर्ट दर्ज होने से लेकर सड़कों पर ट्रैफिक नियमों का पालन होता भी दिख रहा है। स्वभाव और कार्य से ईमानदार और दबंग अजय मिश्रा ने गाजियाबाद में सुधार के लिए किसी भी तरह के दबाव को नहीं माना, जिसका लाभ गाजियाबाद वासियों को मिला। गाजियाबाद कमिश्नरेट के पहले पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा के पिता कुबेर नाथ मिश्रा 2003 में रिटायर हुए और उसी साल अजय मिश्रा ने यूपीएससी परीक्षा पास करके पुलिस सेवा में आमद दर्ज की। 2003 बैच के आईपीएस अजय कुमार मिश्रा की प्रतिनियुक्ति वर्ष 2015 में इंटेलिजेंस ब्यूरो में हुई थी।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के दौरान उन्होंने दिल्ली और श्रीनगर अपनी सेवाएं दीं। इस साल जनवरी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस अपने कैडर में लौटे। उस समय से वे पुलिस मुख्यालय लखनऊ में वेटिंग फॉर पोस्टिंग थे। नवंबर 2022 में अजय मिश्रा को गाजियाबाद कमिश्नरेट में कमिश्नर के पद पर तैनात किए गए। अजय कुमार मिश्रा मूल रूप से यूपी के बलिया के रहने वाले हैं। उनके पिता कुबेर नाथ मिश्रा वाराणसी में अधिकांश समय तैनात रहे थे। पुलिस लाइन क्वार्टर में पले और बढ़े। अपनी स्कूली शिक्षा और स्नातक वाराणसी में पूरी की। अजय कुमार मिश्रा का बचपन से ही वर्दी पहनना सपना था। इसके लिए वे आसपास खाकी वर्दी को दिखने को इसका श्रेय देते हैं। अजय कुमार मिश्रा कहते हैं कि बचपन से लेकर बड़े होने तक हमने अपने आसपास खाकी ही देखी। पुलिसिंग को एबिलिटी बायस बताते हुए आईपीएस मिश्रा कहते हैं कि आप जो देखते हैं, सुनते हैं, उस आधार पर आपका दिमाग निर्णय लेने की स्थिति में आता है। पुलिसिंग को बचपन से ही जिया। परिवार के एक सदस्य ने जब वर्दी टांग दी तो दूसरा सदस्य पुलिस में चला गया।

ईव टीजिंग पर भी हुआ प्रभावी कार्य

जिले में ईव टीजिंग के मामले बेहताशा बढ़ रहे थे। पुलिस भी पीड़ित छात्राओं को बदनामी का भय दिखाकर रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाने की सलाह देती थी। इस मामले में पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने अधिकारियों को सख्ती से कार्य करने के निर्देश दिए। जिले में पुलिसिंग बेहतर हुई और स्कूल-कॉलेजों के आसपास पिकेट बढ़ीं। ईव टीजिंग की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की गई। जिससे छात्राओं को सुरक्षा का आभास हुआ। इसके अलावा महिला और बाल अपराधों पर भी सख्त पुलिस एक्शन हुआ। लूट के मामलों में बदमाशों को पुलिस एनकाउंटर के बाद दबोचा गया। जिले में पुलिसिंग के बेहतर होने का यह सिलसिला जारी है।

जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर हुआ तालमेल

गाजियाबाद में पांच विधायक, एक सांसद, एक मेयर, 100 नगर निगम पार्षदों के अलावा नगर पंचायत, नगर पालिका, ग्राम पंचायत, ग्राम सभा के भी प्रतिनिधि है। लगभग सभी राजनीतिक दलों का संगठन यहां मजबूत है। हर पांचवां व्यक्ति किसी न किसी राजनीतिक दल या नेता से जुड़ा है। वीवीआईपी मूवमेंट के लिहाज से भी गाजियाबाद महत्वपूर्ण जिला है। जनप्रतिनिधि हो या फिर विपक्षी नेता, उनका सॉफ्ट टारगेट पुलिस ही होती है। गाजियाबाद में कई बार पुलिस और राजनीतिक तालमेल का अभाव देखने को मिला था, जिसके कारण पुलिस की खासी फजीहत भी हुई। जिले में कई एसएसपी ऐसे भी रहे जिनके कार्यकाल में टकराव बढ़ा। हालांकि अजय मिश्रा के पुलिस कमिश्नर के तौर पर गाजियाबाद कमिनश्नरेट की कमान संभालने के बाद पुलिस और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल बेहतर होता गया। कमोबेश जिले के सभी जनप्रतिनिधियों से तालमेल बेहतर हुआ। हालांकि कुछ दबंग किस्म के नेताओं को पुलिस की शक्ति का भी अहसास जरूर हुआ। अजय मिश्रा किसी भी तरह के दबाव में नहीं आए। आम आदमी हो या फिर कोई नेता, राजनेता ईमानदार छवि वाले अजय मिश्रा ने सभी से बिना किसी दबाव के कानून का पालन करवाया। कई मामले चर्चित भी हुए और उन तक प्रदेश स्तर से शिफारिश और दबाव भी पहुंचा, लेकिन अजय मिश्रा को किसी तरह से प्रभावित नहीं कर सके।

त्योहारों से लेकर चुनाव तक बेहतर मैनेजमेंट

पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा ने गाजियाबाद कमिश्नरेट में त्योहारों से लेकर चुनावों तक पुलिसिंग का बेहतर प्रदर्शन किया। उनके कार्यकाल के दौरान जिले में कांवड़ मेला, होली, दीपावली, ईद जैसे उत्सव शांतिपूर्वक मनाए गए तो मोहर्रम के मातमी जुलूस के दौरान भी कहीं कोई विवाद नहीं हुआ। जिले में कांवड़ मेले के दौरान पुलिस शिव भक्त कांवड़ियों की सहायता करती नजर आई तो किसी भी तरह से उपद्रव या अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी तरह से व्यवस्थित थी। मोहर्रम के जुलूसों को प्रदर्शन का परियाय नहीं बनने दिया गया।

बतौर पुलिस कमिश्नर अजय मिश्रा ने समाज के सभी वर्ग और समुदायों के साथ समान व्यवहार ही किया। कमिश्नरेट में पुलिसिंग का जो सिस्टम उन्होंने बनाया उसे दशकों तक कायम रखा जा सकता है।

एसपी और एटीएस में रह चुके हैं अजय मिश्रा

2003 बैच के आईपीएस अफसर अजय मिश्रा को 7 साल इंटेलिजेंस ब्यूरो और कई जिलों की कमान संभालने का अनुभव है। अजय मिश्रा मैनपुरी, सुल्तानपुर, कानपुर और वाराणसी के कप्तान रह चुके हैं। 2015 में केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर गए और आईबी में कार्य किया। इसी साल सितंबर में फिर यूपी में वापसी हुई। जब अजय मिश्रा ने गाजियाबाद कमिश्नरेट की कमान संभाली, उस समय जिले में हत्या, लूट, चोरी, रेप, झपटमारी, राहजनी जैसी घटनाएं चरम पर थीं। इसके साथ ही आर्थिक और साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे थे। गाजियाबाद पुलिस साइबर अपराधों को लेकर ज्यादा सजग नहीं थी। सर्विलांस का मास्टर माने जाने वाले अधिकांश अधिकारी और कर्मचारियों का यहां से तबादला हो चुका था। ऐसे समय में अजय मिश्रा ने कमिश्नरेट की जिम्मेदारी संभाली और कुछ ही समय में हालात बदलते नजर आने लगे। गाजियाबाद की डायल-112 घटनास्थर पर पहुंचने के मामले में पिछले एक साल से पूरे प्रदेश में लगातार नंबर वन बनी हुई है। क्राइम ग्राफ नीचे आया है और प्रत्येक घटना की रिपोर्ट बिना किसी सिफारिश के दर्ज हो रही है। घटनाओं का खुलासा भी तेजी के साथ हो रहा है। जिले की सड़के जो जाम के लिए पूरे प्रदेश और एनसीआर में बदनाम थी, आज उन पर सामान्य रूप से वाहन दौड़ रहे हैं। बड़ी बात यह है कि पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा की ट्रैफिक नियमों को लेकर बरती गई सख्ती के कारण शहरवासी यातायात नियमों का पालन कर रहे हैं।

नीट परीक्षा मामले को लेकर भाजपा पर आक्रामक हुए राहुल गांधी

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। नीट परीक्षा मामले को लेकर हंगामा बढ़ता जा रहा है। नीट परीक्षा में धांधली को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोल रही है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी केंद्र की मोदी पर सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी इस मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं और बीजेपी शासित राज्य पेपर लीक के एपिसेंटर बन चुके हैं।

राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं। रायबरेली से सांसद राहुल ने कहा, हमारे न्यायपत्र में पेपर लीक के विरुद्ध सख्त कानून बना कर युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने की हमने गारंटी दी थी। विपक्ष की जिम्मेदारी निभाते हुए हम देश भर के युवाओं की आवाज सड़क से संसद तक मजबूती

- सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई के दौरान की तल्ख टिप्पणी

से उठा कर और सरकार पर दबाव डाल कर ऐसी कठोर नीतियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में नीट परीक्षा में धांधली की जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की तरफ से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई हो, तब भी उससे पूरी तरह से निपटा जाना

चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन बेंच ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि छात्र विशेष रूप से इन परीक्षाओं की तैयारी करते समय कितना परिश्रम करते हैं।। बेंच ने इस मामले में 8 जुलाई तक एनटीए से जवाब देने के लिए कहा है।

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नीट यूजी परीक्षा 2024 के पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून, 2024 को अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर सिस्टम के साथ छेड़छाड़ करने वाला कोई डॉक्टर बन गया तो गलत होगा। जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने कहा कि हम छात्रों की मेहनत को नहीं भूल सकते हैं। बच्चे इसके लिए तैयारी करते हैं और हम उनकी मेहनत को नजरअंदाज नहीं कर सकते। कोर्ट ने आगे कहा कि अगर सिस्टम में धांधली करने वाला डॉक्टर बन गया तो समाज के लिए यह कितना हानिकारक हो सकता है। बेंच ने एनटीए से कहा कि कल्पना कीजिए कि सिस्टम के साथ धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति डॉक्टर बन जाता है, वह समाज के लिए ज्यादा हानिकारक होगा।

1,563 छात्र फिर देंगे नीट की परीक्षा

जस्टिस विक्रमनाथ ने एनटीए से कहा कि कोर्ट उम्मीद करता है कि एजेंसी इस पर समय से कार्रवाई करेगी। पीठ ने एनटीए के वकीलों से कहा कि परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए, आपको दृढ़ रहना चाहिए। अगर कोई गलती है, तो हां यह गलती हुई है और हम यह कार्रवाई करने जा रहे हैं। कम से कम इससे आपके कामकाज में विश्वास तो पैदा होगा। जब कुछ याचिकाकताओं की ओर से पक्ष रख रहे एक अधिवक्ता ने परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न से संबंधित मुद्दा उठाया तो पीठ ने कहा कि वे (एनटीए और केंद्र) इस पर जवाब देंगे।' कोर्ट ने कहा कि पहले हम आपकी दलीलों का मकसद समझ लें।

'अहंकार में डूबे थे रामभक्त, इसलिए हुआ यह हाल'

सूर्या बुलेटिन

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा देने वाली बीजेपी का नतीजों के बाद खासा बुरा हाल हुआ है। भाजपा को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका। उत्तर प्रदेश के साथ-साथ कई और राज्यों में भी पार्टी को कई सीटों का नुकसान हुआ जिसकी वजह से बीजेपी बहुमत के आंकड़े को नहीं छू पाई। फिलहाल भाजपा ने केंद्र में गठबंधन के जरिए सरकार तो बना ली है, लेकिन सरकार के ज्यादा समय तक चलने की संभावना कम ही नजर आ रही है। वहीं, भाजपा की इस हार पर आरएसएस भी हमलावर नजर आ रही है। आरएसएस की समन्वय बैठक अगले महीने होने वाली है, जिसको लेकर कायास लगाए जा रहे हैं कि इस बैठक में बीजेपी की हार को लेकर मंथन हो सकता है। वहीं, इंद्रेश कुमार के बयान को लेकर भी भाजपा और आरएसएस के बीच मतभेद बढ़ते नजर आ रहे हैं।

भाजपा पिछले 10 साल से केंद्र की सत्ता में रही और दो बार बनाई सरकार में भाजपा को गठबंधन में शामिल दल या उनके सांसदों का सहारा नहीं लेना पड़ा। एक समय था जब अटल बिहारी वाजपेयी गठबंधन से बनी केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री थे। उस समय देश में होने वाले विकास कार्यों को जनता के सामने खूब बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया और इंडिया शाइनिंग का नारा देते हुए भाजापा समय से पहले ही चुनाव में कूद गई थी। परिणाम हुआ कि भाजपा के कथिर विकास के देश की जनता ने नकार दिया और केंद्र में कांग्रेस ने गठबंधन के जरिए सरकार बना ली। कांग्रेस गठबंधन की सरकार देश में 10 साल तक रही और मनमोहन सिंह सरकार के प्रधानमंत्री रहे। 2014 में देश की जनता से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में देखने के लिए भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया। उसके बाद 2019 में भी जनता ने नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया। हालांकि दूसरी बार सरकार बनने पर भाजपाई दंभ और अहंकार में चूर हो गए। जिसका खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ा। भाजपा सरकार और कार्यकर्ता देश के मूल मुद्दों पर किसी तरह का सवाल उठाया जाना ही पसंद नहीं करते थे। भाजपा के कई नेताओं ने सदन तक में आवेश से भरे शब्द कहे। मंहगाई के मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर तो जैसे पूरी भाजपा ही आक्रामक हो उठती थी। भाजपा सरकार के पहले कार्यकाल में कहा गया कि देश की सेहत सुधारने के लिए कड़वी दवाई जरूरी है और दूसरे कार्यकाल को लेकर कहा गया कि शेर की सवारी महंगी ही होती है। यानी, भय, भूख, भ्रष्टाचार, अपराध, बेरोजगारी, महंगाई और जनसामान्य से जुड़े मुद्दों पर केंद्र से लेकर प्रदेश तक की भाजपा सरकारों की ओर से न तो कोई बयान आया और न ही इनमें सुधार के लिए कोई प्रयास ही किए गए। भाजपा मानने लगी थी कि बहुमत देकर जनता जनार्दन ने अपनी जान, सुख-सुविधाएं और सम्मान तक भाजपा के पास गिरवी रख दिया है। दंभ और अंहकार में चूर भाजपाइयों को जनता के आंसू, बेबसी तक नजर नहीं आई। अब यही बात आरएसएस के नेता इंद्रेश कुमार ने कहकर भाजपाइयों को आईना दिखाने का काम किया है। आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने बिना नाम लिए कहा कि भगवान राम की भक्ति करने वाली पार्टी अहंकारी हो गई थी, इसलिए 241 पर सिमट गई। इस चुनाव में बीजेपी का अहंकार ध्वस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने भगवान राम की भक्ति तो की थी, मगर इनमें धीरे-धीरे अहंकार आ गया। आज भगवान राम ने इनके अहंकार को खत्म कर दिया है। ये लोग इस चुनाव में प्रशंसनीय परिणाम नहीं दे पाए। शायद अब इन्हें लोकतंत्र की ताकत का एहसास हो चुका होगा।

- आरएसएस की सख्त टिप्पणियों से बढ़ सकती है तल्खी
- हार पर मंथन करने को केरल में मीटिंग करेगी आसएसएस

क्या बोली कांग्रेस

आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के बयान पर कांग्रेस की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए हुए पवन खेड़ा ने कहा कि अहंकार आज दिख रहा है। ये बीज तो आपने (आरएसएस) बोए थे। बबूल का बीज बो कर कैसे उम्मीद करते हैं कि आम का फल मिलेगा। कांग्रेस नेता अजय राय ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली 241 सीटों पर आरएसएस के मोहन भागवत और इंद्रेश कुमार की टिप्पणी पर कहा कि जो बात दिल में थी अब वो जुबान पर आ गई। सरकार कब गिर जाएगी ये कहा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि तनाव अपने चरम पर है, प्रदेश की जनता ने काशी की जनता ने बीजेपी के 400 पार की हवा निकाल दी और अब जो उपचुनाव होंगे उसमें भी हम जीत दर्ज करेंगे और आने वाले समय में बीजेपी को उखाड़ कर फेंक देंगे।

केरल में मीटिंग होने का अर्थ

केरल में आरएसएस की सबसे ज्यादा शाखाएं (स्थानीय इकाइयां) हैं और बीजेपी ने पहली बार राज्य में लोकसभा सीट जीती है। त्रिशूर, जहां अभिनेता-राजनेता सुरेश गोपी 74,000 से ज्यादा वोटों के अंतर से विजयी हुए। समन्वय बैठक को राज्य में संदेश भेजने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां आरएसएस कार्यकर्ता अक्सर हिंसा का शिकार होते रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि इससे दक्षिण में बीजेपी को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी, जहां वह 2019 के लोकसभा चुनावों में 29 सीटों से अपनी संख्या बढ़ाने में विफल रही थी और इस बार भी उसकी संख्या वही रही। हालांकि, बीजेपी कर्नाटक में खोई सीटों की भरपाई के लिए तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल में बढ़त हासिल की, जिससे इसका विस्तार हुआ।

रामदेव ने किया बचाव

इंद्रेश कुमार के बयान पर बोलते हुए योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा राम सबके राष्ट्र सबका है और हम आपस में भी सबके हैं किसी भी प्रकार की जाति संप्रदाय और विचारधाराओं के नाम पर देश में भेदभाव की न्यू डालना यह राष्ट्र की एकता और सम्पदा के लिए ठीक नहीं है। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा पीएम मोदी ने जितने पिछले 10 वर्षों में काम किया है। देश के सामाजिक आर्थिक और संस्कृत ताने-बाने को उत्कृष्ट प्रदान की है स्वामी रामदेव ने कहा चुनौतियां चाहे जितनी भी हो पीएम मोदी उन सभी से निपटते हुए आगे बढ़ेंगे।

आरएसएस करेगी हार पर मंथन

आरएसएस की महत्वपूर्ण बैठक केरल के पलक्कड़ में 31 जुलाई से लेकर 2 अगस्त तक होगी। चुनाव के बाद संघ की ये महत्वपूर्ण बैठक है जिसमें बीजेपी सहित संघ के सभी संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। पिछली बार ये बैठक सितंबर 2023 में हुई थी। पलक्कड़ को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि बीजेपी ने पहली बार राज्य में अपना खाता खोला है और पार्टी ने चुनाव से पहले दक्षिण में अपनी स्थिति बेहतर करने के प्रयास में काफी जोर दिया था।

100-बात की

अनिल यादव

सूर्या बुलेटिन

क्या इससे शासन की छवि धूमिल नहीं होती

अपने बयानों और पत्रों को लेकर हमेशा चर्चाओ में रहने वाले भाजपा के लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर एक बार फिर से चर्चा में हैं। इस बार चर्चा का कारण उनका एक आरोप बन रहा है। लोनी विधायक ने गाजियाबाद के पुलिस अधिकारियों पर उनकी हत्या का षडयंत्र रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने इस बयान में एक ऑडियो का जिक्र किया है, लेकिन उस ऑडियो में इस तरह की कोई बात नहीं पाई गई। ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस आरोप के पीछे वजह बताई गई है उनकी सुरक्षा में कमी किया जाना। जबकि जिले के सभी विधायकों की सुरक्षा में लोकसभा चुनाव के दौरान कटौती की गई थी, लेकिन उस समय चुनावी माहौल होने के चलते किसी भी विधायक ने इस मुद्दे को नहीं उठाया। चुनाव बीतने के बाद विधायकों ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से की है। लोनी विधायक ने यहां तक कह दिया कि उन्हें जिला छोड़कर दूसरे जिले में शरण लेनी पड़ेगी।

प्रदेश में जनता की चुनी हुई सरकार का एक विधायक ऐसा कहे तो जिन मतदाताओं ने अपना अमूल्य वोट देकर उन्हें विधायक बनाया है उन आम मतदाताओं का क्या होगा। जिस सरकार का विधायक खुद को असुरक्षित बता रहा हो, उस विधायक के क्षेत्र के मतदाताओं की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल काम नहीं है। क्या सरकार के एक चुने हुए विधायक का ऐसा बयान शासन की छवि खराब करने की श्रेणी में नहीं आता। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने छात्र राजनीति में एक्टिव रहे थे और अपने बयानों और कार्यों को लेकर उस समय भी चचाओं में रहते थे। 2017 में भाजपा ने उन्हें लोनी से विधानसभा का टिकट दिया और वह जीतकर विधायक बने। लोनी विधायक पहले ऐसे विधायक हैं, जिन्होंने विधायक बनने के बाद अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। किसान आंदोलन के दौरान भी उनकी भूमिका सवालों के घेरे में रही थी। आंदोलन समाप्ती की घोषणा हो चुकी थी और दिल्ली सीमा पर लगे किसानों के तंबू लगभग उठ गए थे, लेकिन जिले के एक विधायकों के धरना स्थल के पास पहुंचने के बाद किसान आंदोलन नए सिरे से शुरू हो गया था। इसका श्रेय भी नंदकिशोर गुर्जर को जाता है। इसके अलावा भी लोनी विधायक के कई बयान चचाओं में रहे हैं। 2017 से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है और प्रदेश के किसी भी विधायक ने अपनी ही सरकार पर कभी कोई आरोप नहीं लगाया। अधिकारियों को लेकर जरूर मुख्यमंत्री से शिकायतें हुई हैं, लेकिन वह भी गुपचुप। लोनी विधायक शासन को भेजे जाने वाले अधिकांश पत्र सार्वजनिक कर देते हैं और फिर बयानों की बारिश भी करते हैं। पिछले दिनों उन्होंने मुख्यमंत्री के सचिव पर भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। 100 बात की एक बात यह है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के 255 विधायक हैं। अपने जिले में ही भाजपा के पांच विधायक हैं, लेकिन किसी भी विधायक ने शासन पर इस तरह का आरोप कभी नहीं लगाया। लोनी विधायक की जिले के पुलिस प्रमुख से हमेशा ही कोई न कोई शिकायत रही है।

जिले में वैभव कृष्ण एसएसपी थे, तब लोनी विधायक ने खुद पर जानलेवा हमला होने का आरोप लगाया था, हालांकि पुलिस जांच के बाद उनकी कार को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया। ऐसा लगता है कि लोनी विधायक शुरू से ही भारी भरक्कम पुलिस सुरक्षा की चाहत रखते हैं, जबकि जिले के अन्य विधायकों की ओर से कभी इस तरह की कोई मांग नहीं की गई। पुलिस प्रमुख प्रोटोकॉल और शासन के निर्देश के तहत जनप्रतिनिधियों को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाते हैं। ऐसे में पुलिस प्रमुख पर सुरक्षा में कटौती करने का आरोप निराधार ही है। जनता के चुने हुए विधायकों को चाहिए कि वह इस संबंध में मुख्यमंत्री से सीधे शिकायत और मांग करें न कि इस तरह की बयानबाजी और लेटरबाजी करके शासन और अधिकारियों की कि छवि को धूमिल करने का प्रयास करें। आखिर अधिकारी भी तो शासन का ही अंग हैं।